दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 307/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 30 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स कारोबार के दौरान 64,414 के स्तर तक पहुंच गया। इधर, निफ्टी ने भी 19,108 का ऑल टाइम हाई बनाया है। इससे पहले बुधवार को ही दोनों ने अपना ऑल टाइम हाई बनाया था।

सांध्यप्रकाश विशेष

नितिन गडकरी , दिग्विजय सिंह के पैदल चलने की क्षमता के हुए कायल, की उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा

पुणे। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी , स्वके पूर्व ष्टरूदिग्विजय सिंह के पैदल चलने की क्षमता के कायल है और उन्होंने इसकी उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की है। दरअसल मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह महाराष्ट्र के पुणे में प्राध्यापक रामकृष्ण मोरे के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में पिंपरी चिंचवड़ पहुंचे थे। उसी कार्यक्रम में अपने उद्बोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंच पर उपस्थित दिग्विजय सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि ÷कितना बड़ा आश्चर्य का यह है दिग्विजय जी, मेरी तो हिम्मत नही होगी, मैं शायद आपसे छोटा हूं पर इतना आप पैदल जा सकते हैं, रियली आपका बहुत बहुत धन्यवाद, आपका अभिनंदन।

विष्णु खत्री विधायक बैरसिया के लंबे प्रयास के बाद आज बैरसिया विधानसभा के ग्राम लालघाटी रतुआ पर आज कर्क रेखा के शिलालेख का लोकार्पण किया गया

21 जून को जब सूर्य इस रेखा के एकदम ऊपर होता है, उत्तरी गोलार्ध में वह दिन सबसे लंबा व रात सबसे छोटी होती है । कर्क रेखा पृथ्वी की उत्तरतम अक्षांश रेखा हैं, जिस पर सूर्य दोपहर के समय लम्बवत चमकता हैं। यह घटना %जून क्रांति% के समय होती है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य के समकक्ष अत्यधिक झुक जाता है, इस अवसर पर विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सचिव श्री प्रवीण रामदास जी, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रबंध संचालक डॉ अनिल कोठारी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री केदार सिंह मण्डलोई, पूर्व विधायक श्री भक्तपाल सिंह राठौड़, पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह मीणा, महामंत्री श्री लक्ष्मीनारायण शिल्पी, मंडल अध्यक्ष श्री सुनील जाट, श्री नरेश शर्मा, श्री तीरथ सिंह मीणा, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, संबंधित वैज्ञानिक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे ।

मोदी बोले- दिल्ली यूनिवर्सिटी का इतिहास खास है-ये यूनिवर्सिटी नहीं, एक मूवमेंट है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा कि दिल?ली यूनिवर्सिटी का इतिहास खास है। यह सिर्फ एक यूनिवर्सिटी नहीं, बल्कि एक मूवमेंट है। इस यूनिवर्सिटी ने अपने लंबे इतिहास में हर आंदोलन को देखा और जिया है।

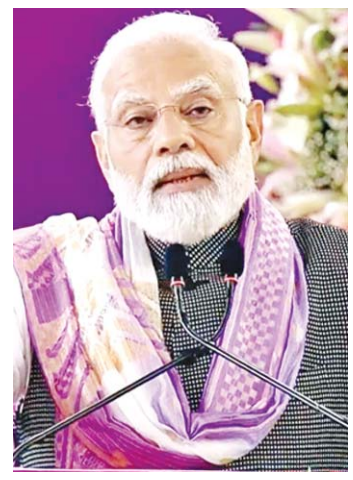

पीएम मेट्रो से सफर कर डीयू पहुंचे। वे सुबह 11 बजे लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने टिकट काउंटर से टोकन लिया और उसके बाद वे प्लेटफॉर्म पहुंचे। मेट्रो में यात्रियों के साथ बातचीत भी की।।

दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 1 मई 1922 को हुई थी। इसमें 86 विभाग, 90 कॉलेज, 6 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। ष्ठ में कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री की सिक्योरिटी में हजार से ज्यादा जवान तैनात किए गए। क्रूयहां 3 बिल्डिंग्स की वर्चुअल नींव रखेंगे। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेजों ने कार्यक्रम के लिए गाइडलाइन भी जारी की हैं। स्टूडेंट्स से काले कपड़े पहनकर न आने के लिए कहा गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर हैं।

अरे ये तो पीएम मोदी हैं! सुबह-सुबह दिल्लीवालों को मोदी ने दे दिया सरप्राइज

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने सुबह-सुबह दिल्लीवालों को सरप्राइज दे दिया। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को दिल्ली मेट्रो में सफर किया। पीएम मोदी ने इस दौरान छात्रों के साथ बातचीत की। पीएम मोदी दिल्ली यूनिवर्सिटी के शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। पीएम मोदी के साथ बातचीत के दौरान छात्र काफी उत्साहित दिखे। पीएम मोदी को अचानक अपने बीच पाकर दिल्लीवाले काफी हैरान रह गए। पीएम मोदी भी लोगों से मिलकर काफी खुश नजर आए। पीएम मोदी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखा, दिल्ली मेट्रो से डीयू कार्यक्रम के रास्ते में हूं। युवाओं को अपने सह-यात्रियों के रूप में पाकर खुश हूं।

सफर के लिए लिया टोकन- पीएम मोदी ने येलो लाइन पर यूनिवर्सिटी तक मेट्रो में सफर के लिए टोकन खरीदा। पीएम मोदी टोकन के जरिए एएफसी गेट से स्टेशन के भीतर एंट्री की। इसके बाद पीएम मोदी अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ एस्केलेटर के जरिये प्लेटफॉर्म पर पहुंचे। पीएम मोदी प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार करते भी नजर आए। ट्रेन आने के बाद सुरक्षा कर्मियों के साथ पीएम मोदी ने ट्रेन में प्रवेश किया। शुरुआत में पीएम मोदी के आसपास कोई भी मौजूद नहीं था। हालांकि, धीरे-धीरे पीएम मोदी छात्रों से घिरे नजर आए। इस दौरान पीएम मोदी ने छात्रों की बातें सुनी। पीएम मोदी ने अपने अनुभव भी छात्रों के साथ शेयर किए।

आदिवासी बाहुल्य इलाके से मध्यप्रदेश में भाजपा का चुनावी बिगुल

- खरगोन की सड़कों पर भाजपा सुप्रीमो जेपी नड्डा का रोड शो
- रोड शो में उमड़ा जनसैलाब
- जनता और कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

खरगोन/भोपाल/हरदा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर महा संपर्क अभियान के तहत एक दिवसीय प्रवास पर मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिले खरगोन पहुंचे । खरगोन हेलीपैड पर स्वागत के बाद उन का खरगोन की सड़कों पर रोड शो प्रारंभ हुआ। रथ पर सवार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का खरगोन जिले की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पलक फावड़े बिछा कर भव्य स्वागत किया।

खरगोन की सड़कों के किनारे जगह-जगह बने मंचों से फूल माला और पुष्प वर्षा कर के उनका अभिनंदन किया गया। भाजपा सुप्रीमो के रथ पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री एवं किसान नेता कमल पटेल साथ थे।

रोजगार दिवस कार्यक्रमः 3 लाख 28 हजार 590 युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान खरगोन में महिला सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। साथ ही राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में 3 लाख 28 हजार 590 युवाओं को विभिन्न योजना में 1483 करोड़ 17 लाख के लोन उपलब्ध कराने की प्रतीकात्मक शुरुआत करेंगे। सचिव एमएसएमई श्री पी नरहरि ने बताया कि राज्य-स्तरीय कार्यक्रम के अलावा जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम भी होगा। जिलों के कार्यक्रम में विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं में जिले में लाभान्वित हितग्राहियों को जन-प्रतिनिधि स्वीकृति-पत्र वितरण करेंगे।

यूनिवर्सिटी एडमिशन में नस्ल-जातीयता के उल्लेख पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में लिखा, ÷छात्र के साथ एक व्यक्ति के रूप में उसके एक्सपीरिएंस के आधार पर व्यवहार किया जाना चाहिए, नस्ल के आधार पर नहीं.÷ कोर्ट के फैसले पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की भी प्रतिक्रिया आई है. उन्होंने कहा, ÷इसने हमें यह दिखाने का मौका दिया कि हम एक सीट से कहीं अधिक योग्य हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए क्या कहा?- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूनिवर्सिटी किसी आवेदक के पर्सनल एक्सपीरिएंस पर विचार करने के लिए स्वतंत्र है. उदाहरण के लिए वे नस्लवाद का अनुभव करते हुए वे नस्लवाद का अनुभव करते हुए बड़े हुए हों, लेकिन मुख्य रूप से इस आधार पर फैसला लेना कि आवेदक अश्वेत है, काला है, अपने आपमें नस्लीय भेदभाव है. चीफ जस्टिस ने कहा कि संवैधानिक इतिहास उस विकल्प को बर्दाश्त नहीं करता है.

स्टूडेंट्स ग्रुप की पिटीशन पर फैसला- कोर्ट ने यह फैसला एक्टिविस्ट ग्रुप स्टूडेंट्स फॉर फेयर एडमिशंस की पिटीशन पर दिया है. इस ग्रुप ने हायर एजुकेशन के सबसे पुराने प्राइवेट और सरकारी संस्थानों में खास तौर पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और उत्तरी कैरोलिना यूनिवर्सिटी (ह्यष्ट) पर उनकी एडमिशन की नीतियों को लेकर केस दायर किया था. पिटीशन में दावा किया गया था कि नस्ल प्रेरित एडमिशन प्रतिस्पर्धा करने वाले समान या अधिक योग्य एशियाई-अमेरिकियों के साथ भेदभाव करता है.

राष्ट्रपति बाइडेन ने जताई फैसले पर आपत्ति - वहीं अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर राष्ट्रपति बाइडेन ने आपत्ति जताई है. उन्होंने ट्वीट कर कहा, ÷दशकों से, सुप्रीम कोर्ट ने एक कॉलेज को यह फैसला लेने की छूट दी है कि कैसे विविध छात्र समूह बनाया जाए और अवसर कैसे प्रदान किया जाए. सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला दशकों की मिसाल से दूर चला गया. मैं इस फैसले से पूरी तरह असमहत हूं. बाइडेन ने आगे कहा कि मैं देश के कॉलेजों से कहना चाहता हूं क्योंकि वे आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपने एडमिशन सिस्टम का रिव्यू कर रहे हैं. उन्हें अमेरिका को प्रतिबिंबित करने वाले अलग-अलग बैकग्राउंड और एक्सपीरिएंस वाले छात्र समूहों को सुनिश्चित करना चाहिए. वहीं इस मामले में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा, ÷अधिक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में सकारात्मक विभेद कभी भी पूरा उत्तर नहीं था, लेकिन उन छात्रों की पीढ़ियों के लिए जिन्हें अमेरिका के अधिकांश प्रमुख संस्थानों से व्यवस्थित रूप से बाहर रखा गया था।

गोवंश से कुकर्म की घटना पर भड़के गृहमंत्री नरोत्तम

बेहद निंदनीय और दुखद, करेंगे सख्त कार्रवाई: नरोत्तम मिश्रा

भोपाल । मंगलवारा थाना इलाके में गोवंश के साथ एक व्यक्ति द्वारा कुकर्म करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद हिंदूवादी संगठनों में रोष व्याप्त है। गुरुवार शाम को विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्तओं द्वारा मंगलवारा थाने पर हंगामा करने के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ कुकर्म का केस दर्ज कर लिया था। फुटेज से मिले हुलिए के आधार पर पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। उधर इस मामले को लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी काफी गुस्सा जाहिर किया है। शुक्रवार को जारी बयान में उन्होंने कहा है कि यह घटना काफी निंदनीय होने के साथ दुखद भी है। आरोपित को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई करेंगे कि वह नजीर बनेगी।

शुक्रवार सुबह मीडियाकर्मियों से चर्चा के दौरान इस प्रकरण का जिक्र आने पर नरोत?तम ने कहा कि इससे ज?यादा निंदनीय बात और दुखद प्रसंग क?या होगा। हमारा हिंदुस?तान ऐसा देश है, जहां कई चीजों के बारे में मान?यताएं और धारणाएं अलग हैं। हम धरती को माता कहते हैं। इसी तरह हम गाय को भी माता कहते हैं। उसके साथ कुकृत?य करने का जो वीडियो सामने आया है, उससे मन दुखी और आहत भी हुआ है। हमने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। थाने में आइपीसी की धारा 377 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। नरोत?तम ने दावा किया कि भले ही आरोपित की अभी शिनाख्त नहीं हुई है।

यूसीसी लागू नहीं हुआ तो हक में बराबरी लाने के लिए 6 कानूनों में करना पड़ेगा बदलाव

नई दिल्ली। समान नागरिक संहिता यानी UCC पर आजकल राजनीति गर्मा गई है। विपक्षी दल कांग्रेस पिछले विधि आयोग के परामर्श पत्र को आधार बनाकर तर्क रख रही है कि उसने इसे गैर जरूरी बताया था, लेकिन ये नहीं बताया जा रहा है कि पिछले विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता को गैर जरूरी बताते हुए किन-किन कानूनों में संशोधन की बात कही थी। यदि पिछले विधि आयोग के परामर्श पत्र को ध्यान से देखा जाए तो मुस्लिम पर्सनल लॉ के कई खंडों को संहिताबद्ध करने के साथ ही शादी, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने आदि से संबंधित आधा दर्जन कानूनों में संशोधन का सुझाव दिया गया था, ताकि अधिकारों में बराबरी लाई जा सके।

यूसीसी की इसलिए जरूरत- पिछले विधि आयोग ने माना है कि विभिन्न पर्सनल लॉ जैसे हिंदू लॉ, मुस्लिम लॉ, ईसाई, पारसी, सिख आदि के कानूनों में महिलाओं के साथ काफी भेदभाव है। इसके अलावा इन कानूनों में कई तरह के अंतर हैं, जिन्हें ठीक करने और सभी के अधिकारों को बराबरी पर लाने के लिए इनमें संशोधन की जरूरत है। जैसे कि व्यभिचार को ही देखा जाए तो हिंदू और क्रिश्चियन लॉ में एडल्टरी तलाक का एक आधार है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ में एडल्टरी तलाक का आधार नहीं है।

तलाक -प्रविधान पति-पत्नी दोनों के लिए समान रूप से हो

विधि आयोग ने सुझाव दिया था कि मुस्लिम विवाह विच्छेद कानून 1939 में संशोधन कर एडल्टरी (व्यभिचार) को महिला-पुरुष दोनों के लिए तलाक के आधार के तौर पर जोड़ा जाए। पिछले विधि आयोग ने कहा था कि सभी परिवार कानूनों में एडल्टरी तलाक का आधार हो और यह सुनिश्चित किया जाए कि यह प्रविधान पति-पत्नी दोनों के लिए समान रूप से हो।

उत्तराधिकार- माता-पिता की स्वअर्जित संपत्ति में अधिकार- बच्चों के उत्तराधिकार विशेषकर अवैध संतान के माता-पिता की संपत्ति पर उत्तराधिकार को लेकर भी पिछले विधि आयोग ने काफी जोर दिया है। आयोग ने लिव इन के दौरान पैदा होने वाली संतानों के माता-पिता की संपत्ति में उत्तराधिकार संरक्षित करने के लिए संसद को सुझाव दिया है। ऐसे बच्चों को माता-पिता की स्वअर्जित संपत्ति में उत्तराधिकार का अधिकार देने का कानून बनाया जाए। इसके अलावा आयोग ने परामर्श पत्र में इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1869 की धारा-21 में उचित संशोधन कर शून्य घोषित शादियों से उत्पन्न सभी बच्चों को माता-पिता की संपत्ति पर उत्तराधिकार का अधिकार दिए जाने का सुझाव दिया था। विधि आयोग ने इस संबंध में कोई सेक्युलर केंद्रीय कानून न होने का जिक्र भी किया था।

मुस्लिम उत्तराधिकार कानून को संहिताबद्ध करने का भी सुझाव - विधि आयोग ने मुस्लिम उत्तराधिकार कानून को संहिताबद्ध करने का भी सुझाव दिया था, ताकि जो अंतर और भेदभाव है वो खत्म हो और शिया सुन्नी सबके लिए समान व्यवस्था लागू हो। ये भी सुझाव दिया था कि उत्तराधिकार की श्रेणी तय करते वक्त मृतक से संबंध को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कहा गया था कि क्लास वन की श्रेणी में जीवन साथी यानी पत्नी को शामिल किया जाना चाहिए। और इसमें मृतक के माता- पिता व बेटा- बेटी शामिल किए जाएं। उत्तराधिकार की कई श्रेणियां बताई थीं। आयोग ने विशेष विवाह अधिनियम में शादी पंजीकरण से पहले 30 दिन के नोटिस के नियम में भी संशोधन का सुझाव दिया था।

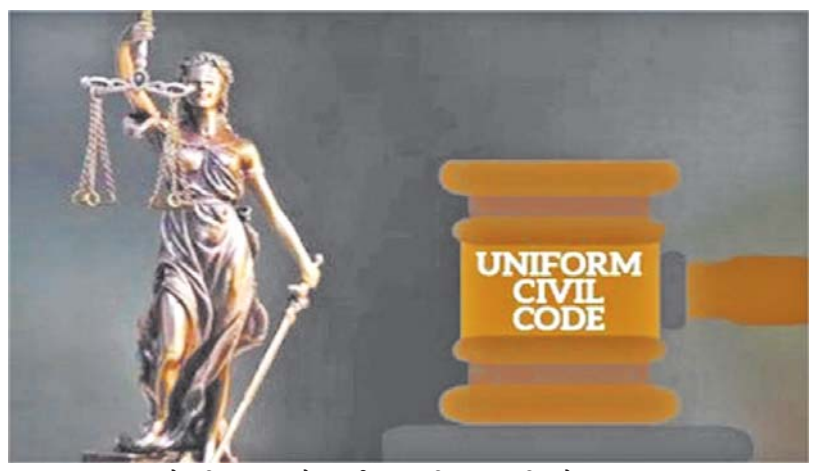

कई धर्मों में गोद लेने को पूरी तरह मान्यता नहीं- गोद लेने के कानून को देखा जाए तो मुस्लिम, ईसाई, पारसी और यहूदी पर्सनल लॉ में गोद लेने को पूरी तरह मान्यता नहीं दी गई है। इस्लाम में गोद लेने का नियम नहीं है। इसलिए, गोद लिए बच्चे को जैविक बच्चे की तरह संपत्ति पर उत्तराधिकार नहीं मिल सकता। हालांकि, हिंदुओं के लिए गोद लेना और भरण पोषण कानून 1956 है।

बाल विवाह कानून की ओर ध्यान खींचा - पिछले विधि आयोग ने हिंदू माइनारिटी एंड गार्जियनशिप एक्ट 1956 के प्रविधानों में कुछ अनियमितताओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया था। उसे ठीक करने की बात कही है। मुस्लिम लॉ में गार्जियनशिप को लेकर भेद पर भी चर्चा की गई है। बाल विवाह कानून की ओर भी ध्यान खींचा गया है। मुस्लिम लॉ को संहिताबद्ध करने पर पिछले विधि आयोग ने लिखा है कि 1960 में इसका प्रयास हुआ था और इसके लिए मुस्लिम लॉ कमेटी गठित करने का प्रस्ताव भी आया था लेकिन, विरोध के कारण बाद में इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया।

तत्कालीन कानून मंत्री ने बताई थी UCC की जरूरत- तत्कालीन कानून मंत्री एके सेन ने संसद में इस पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा था कि अभी कमेटी की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा और भी कानूनों में संशोधन के सुझाव पिछले विधि आयोग के थे। ऐसे में देखा जाए तो समान नागरिक संहिता यदि नहीं लागू की जाती है तो अधिकारों में समानता लाने के लिए अलग-अलग लागू कानूनों में बहुत संशोधन करना होगा जो कि कम बड़ी कवायद नहीं है।

समान नागरिक संहिता पर हलचल तेज, संसदीय पैनल ने विधि आयोग को 3 जुलाई को बुलाया

नई दिल्ली। कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने गुरुवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर एक बैठक बुलाई, जिसके दौरान उसने कहा कि वह हितधारकों के विचारों को सुनेगी। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी के नेतृत्व वाली समिति ने सभी 31 सांसदों और समिति के सदस्यों को सूचित किया कि 3 जुलाई की बैठक में यूसीसी पर उनके विचार मांगे जाएंगे और उन पर विचार किया जाएगा। समिति के एजेंडे पर एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ÷सदस्यों को याद दिलाया जाता है कि कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति की अगली बैठक सोमवार, 3 जुलाई, 2023 को दोपहर 03.00 बजे होगी।अब तक आम आदमी पार्टी (आप), शिवसेना, एआईएडीएमके और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने समान नागरिक संहिता को समर्थन दिया है।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी रमण त्रिवेदी को हिंदुस्तान रत्नअवॉर्ड

भोपाल। पद्मभूषण स्वर सम्राट उदित नारायण के द्वारा वरिष्ठ पुजारी रमण त्रिवेदी श्री महाकालेश्वर मंदिर को हिंदुस्तान रत्न अवॉर्ड से मुंबई में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ विवेक शर्मा मार्शल आर्ट डॉक्टर टीनू वर्मा डायरेक्टर उस्मान भाई दुबई के उद्योगपति एवं राजा से संबंधित अब्दुल्ला बॉलीवुड की हीरो और हीरोइन वरिष्ठ राजनीतिक लेखक संगीतकार एवं हजारों की संख्या दर्शक दीर्घा में उपस्थित रहे। हिंदुस्तान रत्न अवार्ड प्रतिवर्ष दिया जाता है समाज में विभिन्न प्रकार की विशेषताओं को लेकर पुजारी पंडित रमण त्रिवेदी को चुना गया हिंदुस्तान रत्नअवार्ड से स्वर सम्राट उदित नारायण द्वारा दिया गया

भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने की भोपाल सोशल मीडिया की जमकर सराहना

भोपाल। राजा भोज की नगरी भोपाल मध्यप्रदेश में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 27 जून को हुए संवाद कार्यक्रम मेरा बूथ सबसे मजबूत में अल्पकालीन विस्तारक के रूप में देश भर से आये हजारों कार्यकर्ताओं के डिजीटल पंजीयन व्यवस्था में सोशल मीडिया जिला संयोजक धीरज सोनी के मार्गदर्शन में लगी भोपाल सोशल मीडिया एवं आईटी टीम की प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने जमकर सराहना की।

न्यू स्टार ट्रेवेल्स पर इलेक्ट्रिक वाहन फ़ास्ट चार्जर का उद्घाटन

भोपाल। बैरसिया रोड स्थित लम्माखेड़ा में एचपीसीएल के ऑटलेट न्यू स्टार पैट्रोल पम्प पर एक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) फ़ास्ट चार्जर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन में मुख्य अतिथि संदीप महेश्वरी एचपीसीएल ईडी रिटेल,सीजीएम रिटेल एचक्यूओ मुरलीकृष्ण,सीजीएम केंद्रीय क्षेत्र एएस रेड्डी और डीजीएम प्रशांत शुक्ला शामिल थे साथ में भोपाल सेल्स अधिकारी संदीप सिंह भी मौजूद थे संदीप महेश्वरी ने कहा की ईवी चार्जर की स्थापना एचपीसीएल की विस्तृत पहल का हिस्सा है, जिसका उद्घाटन देश भर में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे को विस्तार देने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किया गया है। इस कदम का उद्देश्य पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देना और इको-मित्र परिवहन विकल्पों को प्रोत्साहित करना और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है इस मौके पर न्यू स्टार ट्रेवेल्स डीलर्स अब्दुल फरीद मुन्ने भाई अब्दुल अजीज अब्दुल हमीद अब्दुल सलीम अब्दुल नईम अब्दुल फारूक मोहम्मद शाहिद सहित डीलर्स और कस्टमर भी मौजूद थे।

ईद उल जुहा की दी शुभकामनाएं

भोपाल। ग्रॉसरी आइटम के लिए भोपाल में पहचान रखने वाली भारत ट्रेडिंग कंपनी ने ईद-उल-जुहा के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों नगर वासियों को शुभकामनाएं दी भारत ट्रेडिंग कंपनी के संचालक मोहम्मद सईद लालू भाई ने कहा कि यह पर्व हम सबको भाई चारे और त्याग की भावना की शिक्षा देता है मोहम्मद सईद लालू भाई ने कहा कि भारत ट्रेडिंग कंपनी भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में बरसों से बतासे एवं पूजा सामग्री का कार्य करती रही है वर्तमान में इसके साथ ही उनके द्वारा पुष्पा विहार अशोका गार्डन पर ग्रॉसरी आइटम्स के लिए एक मिनी माल की स्थापना की गई जिससे क्षेत्र के लोगों को घर की जरूरत संबंधित सभी वस्तुएं एक ही छत के लिए आसानी से उपलब्ध हो जाए जनसंघ के समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े मोहम्मद शहीद लालू भाई बताते हैं कि भोपाल और आसपास के शहरों से भी सभी लोगों का सहयोग मिला है ईद-उल-जुहा के अवसर पर कामना करते हैं कि पूरे देश में अमन चैन रहे और लोग भाईचारे से मिलकर रहे।

बारिश के साथ ही आ गई रंग बिरंगी छतरियां

भोपाल। राजधानी में पिछले कुछ दिन से जारी रिमझिम बारिश के चलते मौसम में भी बदलाव आ गया है। तापमान में आई गिरावट से लोगों ने गर्मी से राहत ली है। अब सड़कों पर रंगबिरंगी छतरियों और रेनकोट की दुकानें सज गई है। लोग भी इन दुकानों पर खरीदी करने पहुंच रहे है। जिले में शुक्रवार को प्रातः 8:30 बजे की स्थिति को मिलाकर अब तक 140.1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 30 जून को बैरागढ़ में 7.6 मिली मीटर, बैरसिया में 16.4 मिली मीटर तथा कोलार क्षेत्र में 15.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है । जिले में 1 जून से 30 जून 2023 तक मिली मीटर 140.1 औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। अब तक बैरागढ़ में 194.9 मिली मीटर, बैरसिया में 132.6 तथा कोलार में 92.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

स्वच्छ पर्यावरण के लिए आदमपुर छावनी में होगा वृहद स्तर पर पौधारोपण

निगम आयुक्त ने तैयारियों का लिया जायजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने आदमपुर छावनी स्थित पौधारोपण स्थल पर स्वच्छ पर्यावरण के दृष्टिगत वृहद स्तर पर किये जाने वाले पौधारोपण की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों से पौधारोपण के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने पौधारोपण हेतु तैयार किये गये गड्ढे, थाले एवं पौधों का अवलोकन किया और शीघ्र पौधारोपण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने पौधारोपण कार्य में मिट्टी के साथ जैविक खाद मिलाने के निर्देश दिए जिससे पौधे अच्छी तरह से विकसित हो सकें। निगम आयुक्त चौधरी ने पौधों की सुरक्षा हेतु की गई तार फेसिंग का निरीक्षण किया और फेसिंग की मजबूती के लिए क्रास आकार में अतिरिक्त तार लगाने एवं सीमेंट के खंबों की मजबूती के लिए जमीन पर सीमेंट कांक्रीट ब्लाक बनाने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त एम.पी.सिंह, अधीक्षण यंत्रीद्वय आर.के.सक्सेना, संतोष गुप्ता सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने गुरूवार को आदमपुर छावनी स्थित वृहद एवं सघन वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत तैयार पौधारोपण स्थल पर वृहद स्तर पर प्रस्तावित पौधारोपण की तैयारियों का जायजा लिया और पौधारोपण के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, पौधारोपण के पश्चात उनकी पर्याप्त देखभाल, समय-समय पर निंदाई, गुड़ाई और सिंचाई कर पौधों को विकसित भी करना है तभी स्वच्छ पर्यावरण के उद्देश्य की पूर्ति हो सकेगी। निगम आयुक्त चौधरी ने समझाइश दी कि धरती को बचाने एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने तथा मानव जीवन की रक्षा हेतु वृहद स्तर पर पौधारोपण की आवश्यकता है और इसमें हम सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभाना होगी।

निगम आयुक्त चौधरी ने पौधारोपण हेतु तैयार किये गये गड्ढे, थाले एवं पौधों का अवलोकन किया और शीघ्र पौधारोपण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने पौधारोपण कार्य में मिट्टी के साथ जैविक खाद मिलाने के निर्देश दिए जिससे पौधे अच्छी तरह से विकसित हो सकें। निगम आयुक्त चौधरी ने पौधों की सुरक्षा हेतु की गई तार फेसिंग का निरीक्षण किया और फेसिंग की मजबूती के लिए क्रास आकार में अतिरिक्त तार लगाने एवं सीमेंट के खंबों की मजबूती के लिए जमीन पर सीमेंट कांक्रीट ब्लाक बनाने के भी निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने एनीमल क्रेमेटोरियम प्लांट के पीछे अतिरिक्त खुली भूमि पर भी तार फेसिंग कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्देशित किया कि पौधारोपण स्थल पर योजनाबद्ध तरीके से पौधारोपण करें। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि आदमपुर छावनी में गत वर्ष 20 एकड़ क्षेत्र में लगभग 10 हजार पौधे रोपित किये जा चुके हैं जो विकसित होकर अपना आकार ले रहे हैं। इस वर्ष लगभग 35 एकड़ क्षेत्र में पौधारोपण हेतु भूमि तैयार की जा रही है। वर्तमान में स्थल पर लगभग तीन हजार गड्ढे तैयार हो चुके हैं जिनमें नीम, पीपल, बरगद, करंज, आंवला, गुलमोहर इत्यादि विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जायेगा। नगर निगम भोपाल द्वारा वृहद एवं सघन वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत गत वर्ष शहर के विभिन्न क्षेत्रों - एयरपोर्ट तिराहा, स्मार्ट सिटी क्षेत्र में 6 स्थलों पर, बीएचईएल स्थित स्वर्ण जयंती पार्क, पविहार, ग्राम महौली दामखेड़ा, मनुआभान की टेकरी आदि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया है

पीएंडजी और फ्लिपकार्ट ने 'फॉरेस्ट्स फॉर गुड' पहल के तहत भारत में चार वनों का रोपण करने भागीदारी की

भोपाल। अपने अग्रणी ब्राण्ड्स, जैसे पैम्पर्स0, टाइड0, एरियल0 और व्हिस्पर0 के लिये मशहूर प्रॉक्टर एण्ड गैम्बल इंडिया ने भारत में 'फॉरेस्ट्स फॉर गुड' को लॉन्च करने के लिये भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट के साथ भागीदारी की है। इससे स्थायित्व के प्रति उनके समर्पण को बढ़ावा भी मिलेगा। इस सहयोग के तहत दोनों कंपनियाँ कर्नाटक में चार वनों का रोपण कर रही हैं और यह आज से ही उपभोक्ताओं द्वारा ई-एडोप्ट करने के लिये खुले हैं।

स्थायी प्रभाव निर्मित करने के इरादे से पीएंडजी और फ्लिपकार्ट न सिर्फ जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं, बल्कि स्थायित्व की इस यात्रा में भाग लेने के लिये उपभोक्ताओं को भी आमंत्रित कर रहे हैं। इस अनोखी पहल के तहत कर्नाटक में चार हजार पेड़ रोपे गये हैं। इकोमैचर और सेट्रीज़ सामाजिक उद्यम एवं टेक्नोलॉजी पार्टनर्स हैं, जोकि फॉरेस्ट्स फॉर गुड पहल के निष्पादन में सहायता कर रहे हैं। यह प्लेटफॉर्म ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी से सक्षम है और ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करता है और इसका लक्ष्य पेड़ लगाने की परियोजनाओं में पूरी पारदर्शिता देना, पेड़ लगाते समय हर किसी को अपना पेड़ देखने देना, उसका नाम रखने देना, उसके लोकेशंस और परिपक्वता तथा कम हुई ष्ट्ह2 पर नजर रखने देना है। 26 से 29 तारीख तक फ्लिपकार्ट से पीएंडजी के उत्पाद खरीदने वालों को इस पहल में भाग लेने और एक पेड़ गोद लेने का मौका मिलेगा।

पीएंडजी इंडिया में पर्चेजेज के हेड और सस्टेनेबिलिटी के एक्जीक्यूटिव स्पॉन्सर पवन वर्मा ने कहा, पीएंडजी में हमारे रोजाना के परिचालन में पर्यावरणीय स्थिरता पर पूरा ध्यान दिया जाता है और यह हमारी वृद्धि की रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा है। हमारा मानना है कि अपने उत्पादों से दुनिया को बेहतर बनाना हमारी जिम्मेदारी है और हमारे ब्राण्ड्स तथा कंपनी एक सकारात्मक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। जिम्मेदार व्यवहार को प्राथमिकता देकर हम पर्यावरण पर अपना प्रभाव कम करते हुए बेहतरीन महत्व प्रदान करने की दोहरी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करते हैं। हम यह भी जानते हैं कि यह काम जरूरी और बड़ा है। इसलिये हम संबद्ध बाहरी संस्थाओं के साथ भागीदारी कर रहे हैं, ताकि बड़ा प्रभाव निर्मित कर सकें।

भाजपा नेताओं ने किया घर-घर जनसंपर्क

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गोविंदपुरा विधानसभा भानपुर मंडल में प्रवासी बूथ विस्तारक रोशन राज, भानपुर मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, मंडल महामंत्री गण सुबोध साहू, विमलेश कुमार के उपस्थिति में एवं वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर के नेतृत्व में शिवनगर कालोनी, छत्रपति शिवाजी स्कूल एवं सूरज प्रीमियम स्कूल शक्ति केंद्र, वार्ड 72 के पार्षद जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल के नेतृत्व में लीलाधर कालोनी, न्यू जीनियस स्कूल एवं भानपुर शासकीय हाई स्कूल शक्ति केंद्र, वार्ड 74 की पार्षद शकुन सिंह लोधी तथा पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजू लोधी के नेतृत्व में सेमरा कैलाश नगर, हस्त शिल्प केंद्र एवं करारिया गोल्डन बर्डस पब्लिक स्कूल शक्ति केंद्र में घर-घर जनसंपर्क कर मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी का दुपट्टा, टोपी पहनाकर विश्व के लोकप्रिय, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9-वर्ष के कार्यों की जानकारी वाली पंपलेट वितरण, मध्यप्रदेश शासन की विकास एवं जन कल्याणकरी योजनाओं की जानकारी दी।

अनेकों मतदाताओं से केंद्र वा राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजना का कितना लाभ मिल रहा पूछने पर बताया कि नरेंद्र मोदी एवं शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में हमे अनेकों प्रकार का लाभ मिल रहा है और हम चाहते है की पुन- भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने। इस अवसर पर कौशलेश

पाठक, कैलाश गौर, नर्बदा प्रसाद सचान, हर्ष सिंह राजपूत, गायत्री गायकवाड, शिवदयाल मैथिल, रवि लोधी, बीएस मरमट, चन्द्र प्रकाश गौर, रमा कुशवाहा, शुभम कोरी, संदीप अहिरवार, देवेंद्र साहू जी, पूरन माली, अभिषेक माली, कैलाश सोनी, भागवती पटेल, मोहन साहू, अक्षयवर ठाकुर, सौरभ राठौर, दिव्या पटेल, विमलेश ठाकुर, दीपक कुशवाह, किशनलाल चौरसिया, शिवनारायण शर्मा, राधेश्याम शिवहरे, नारायण चंदेल, रवि जैन, राकेश दास, सूरज लोधी, प्रकाश सोनी, अनूप मीना, जगराम वर्मा, मोहन चौकसे, ओपी पाण्डे, मुन्ना विश्वकर्मा, अंकू यादव, हरिराम कुशवाह, भैयालाल माली, मिश्रीलाल माली, हरिनारायण माली, घनश्याम माली एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला में गुप्ता का सम्बोधन

भोपाल। भोपाल में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध शिक्षक और चिन्तक अनिल के गुप्ता सम्बोधित करेंगे। गुप्ता एक संवेदनशील, रचनात्मक और एक सहयोगी शिक्षक बनने की दिशा में विषय पर महत्वपूर्ण शैक्षणिक साधन के रूप में साथियों, विद्यार्थियों, अपरिचितों और समुदाय के सदस्यों के साथ सहयोग के महत्त्व को रेखांकित करते हुए अपनी बात रखेंगे। चार दशक तक आईआईएम (ए) में पढ़ाने के बाद अनिल के गुप्ता अब वहाँ विजिटिंग फैकल्टी के सदस्य हैं। वह कई प्रमुख पहलों के संस्थापक भी रहे हैं, जिनमें द हनी बी नेटवर्क, नेशनल इनोवेशन फ़ाउण्डेशन और सोसाइटी फ़ॉररिसर्च एंड इनिशिएटिव्स फ़ॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंडइंस्टीट्यूशंस शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प शक्ति ने विश्व में भारत को दिलाई नई पहचानः गोविंद सिंह राजपूत

जैसीनगर में आयोजित किया गया सुरखी विधानसभा क्षेत्र के सभी मोर्चों का सम्मेलन समारोह

सागर। गुरूवार को जैसीनगर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली 09 वर्ष पूर्ण होने तथा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 03 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग, अनुसचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक मोर्चा का सम्मेलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सहित सांसद राजबहादुर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत सहित भाजपा के पद अधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुये। जहां राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प शक्ति ने विश्व में भारत को नई पहचान दिलाई है श्री मोदी के नेतृत्व में 9 वर्षों में देश नई ऊंचाईयों तक पहुंचा है जिससे हर वर्ग के लिये योजनायें बनाई गई, आर्थिक नीति हो या शिक्षा नीति हर वर्ग को इसका लाभ मिला है। जमीनी स्तर से काम करने वाली मोदी सरकार ने पंक्ति के आखिर व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री की इस विकास यात्रा एवं जन कल्याणकारी नीतियों में कदम से कदम मिलाकर प्रदेश को नये आयामों तक पहुंचाया है जहां लाड़ली बहना योजना से महिला सशक्तिकरण ने नया इतिहास लिखा गया। श्री राजपूत ने कहा गया भाजपा की सरकार जन कल्याणकारी सरकार है जिसमें हर वर्ग के लिये योजनायें हैं। दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प शक्ति, दूरदर्शिता रखने वाले हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राममंदिर धारा 370 जैसे निर्णय लेकर देश के लिये नया भारत दिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 09 वर्ष सभी वर्गों के लिये संजीवनी साबित हुये हैं खासतौर से हमारी माताओं बहनों के लिये घर घर नल जल योजना लाकर एक बड़ा उपहार दिया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश प्रदेश सहित छोटे छोटे गांव तक विकास की गंगा पहुंचाई है हर गांव में शासन की योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के हर ग्राम में पक्की सड़के, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नल जल योजना, हर पात्र हितग्राही के लिये पक्का मकान अपने क्षेत्र की कहानी बयां कर रहा है। इस अवसर पर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा पदअधिकारी, कार्यकर्ता सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

यह गर्व की बात, बानमोर का टायर विदेशों तक जा रहा : शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने किया जेके टायर प्लांट बानमोर की क्षमता विस्तार के प्रथम चरण का उद्घाटन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि यह गर्व की बात है कि बानमोर का टायर विदेशों तक जाकर विदेशी मुद्रा से देश को आर्थिक रूप से और मज़बूत बना रहा है। जेके टायर इंडस्ट्रीज़ के बानमोर प्लांट का ग्वालियर-चंबल संभाग सहित प्रदेश एवं देश के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान है। मुख्यमंत्री चौहान ने केंद्रीय कृषि और किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ मुरैना के औद्योगिक क्षेत्र बानमोर में जेके टायर इंडस्ट्रीज के 312 करोड़ की लागत के मैन्यूफ़ैक्चरिंग फेसिलिटी क्षमता विस्तार के प्रथम चरण का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आज मध्य प्रदेश विकसित राज्यों की पंक्ति में अग्रणी राज्य है, हमारी औद्योगिक विकास दर लगातार 24 प्रतिशत बनी हुई है ।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल नीति, आवश्यक इंफ्रा-स्ट्रक्चर एवं सुरक्षित वातावरण करवाने से प्रदेश देश में उद्योगों के निवेश का केंद्र बिंदु बना हुआ है। ग्लोबल इंवेस्टर समिट में 15 लाख करोड़ से अधिक के औद्योगिक निवेश के अनुबंध हुए, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न उद्योगों का नियमित निवेश प्रदेश में आ रहा है और नवीन रोज़गार का सृजन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट एवं रोज़गार में वृद्धि के हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना प्रारंभ की जा रही है। योजना में युवाओं को विभिन्न उद्योगों में ट्रेनिंग दी जायेगी, विभिन्न ट्रेडों के दौरान उन्हें पात्रतानुसार 8 से 10 हज़ार रुपये का स्टायपेंड भी प्रदान किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के भारत को 5 ट्रिलियन इकॉनोमी बनाने के लक्ष्य की पूर्ति की दिशा में हमने मध्यप्रदेश की इकॉनमी को 550 बिलियन का बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश एवं देश के विकास में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उद्योगों से नवीन रोज़गार का सृजन होता है,कराधान बढ़ता है जो प्रदेश और देश को आर्थिक रूप से मज़बूत करता है। जेके टायर इंडस्ट्रीज ने ग्वालियर-चंबल संभाग के आर्थिक विकास एवं बड़ी संख्या में रोज़गार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में 18 वर्षों में बीमारू राज्य के टैग को हटाकर आज प्रदेश विकसित राज्यों की पंक्ति में अग्रणी है। जेके टायर इंडस्ट्रीज़ ने प्रदेश के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान दिया है एवं देश-दुनिया में नाम बनाया है। पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के अध्यक्ष रघुराज कंसाना, ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष गिर्राज दण्डोतिया, विधायक कमलेश जाटव और समाजसेवी हमीर सिंह पटेल, उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने केंद्रीय मंत्री द्वय तोमर और सिंधिया एवं जेके टायर इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर रघुपति सिंघानिया एवं अंशुमन सिंघानिया के साथ प्लांट का भ्रमण किया।

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री तोमर और सिंधिया ने रुद्र महायज्ञ के लिए किया भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चंबल अंचल की सुख-समृद्धि के लिए सबलगढ़ जिला मुरैना में पुरुषोत्तम मास में होने वाले रुद्र महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा स्थल का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री चौहान के साथ केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन एव इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वैदिक मंत्रोच्चार से भगवान शिव की आराधना कर विधि-विधान से भूमि-पूजन किया। मध्यप्रदेश गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने कलश स्थापना कराई। मुख्य यजमान डॉ. मनु शर्मा ने अतिथियों का स्वागत कर शॉल, श्रीफल और स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य आयोजक संत गोपाल दास महाराज ने बताया कि 31 जुलाई से 8 अगस्त तक भूमि-पूजन स्थल पर रुद्र महायज्ञ, शिव महापुराण कथा के साथ ही सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण और 1100 महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ में 2100 यजमान पुरुषोत्तम मास में शिवजी की आराधना और उपासना करेंगे। बाहर से आने वाले यजमानों के भोजन और आवास की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में 15 से 30 अगस्त तक निकलेगी संत रविदास रथयात्रा

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार सागर में सामाजिक सरसता के पुरोधा संत रविदास जी का 100 करोड़ की लागत से मंदिर बना रही है। इस मन्दिर के निर्माण में समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी हो इसके लिए 15 अगस्त से 30 अगस्त के बीच सामाजिक समरसता का संदेश लेकर प्रदेश की सभी विधानसभाओं में संत रविदास मन्दिर निर्माण यात्रा निकलेगी। हर विधानसभा में यात्रा का भव्य स्वागत हो और हर व्यक्ति इस यात्रा से जुड़े इसके लिए विधानसभा और मंडल स्तर पर व्यापक तैयारियां हो। यह बात भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह प्रभारी व सांसद डॉ रामशंकर कठेरिया, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद और अजा मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने होटल विनायक में चंबल और ग्वालियर संभाग की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी डॉ रामशंकर कठेरिया ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस 60 साल से अधिक सत्ता में रही लेकिन 60 सालों में कांग्रेस ने न तो संत रविदास जी का मंदिर बनाया और न ही डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के पंचतीर्थ बनाएं। कठेरिया ने कहा कि कांग्रेस गरीबी हटाने के झूठे नारे देकर अनुसूचित वर्ग के वोट कबाडती रही लेकिन उनके महापुरूषों का सम्मान नहीं दिया। जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल के नेतृत्व में एनडीए की सरकार और पिछले 9 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने अनुसूचित वर्ग की न सिर्फ चिंता की बल्कि अंबेडकर जी के जीवन से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार सागर में 100 करोड़ की लगत से संत रविदास जी का भव्य मंदिर बना रही है। भाजपा सरकार के यह किये गये कार्य दर्शाते है की अनुसूचित वर्ग को कोई सच्चा हितैषी है तो वह भाजपा है। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और विपक्ष मिलकर अनुसूचित जाति के लोगों में सदैव भ्रम पैदा करते आयें और इनके बीच यह झूठ बोलते आए कि भाजपा मुस्लिम और अनुसूचित जाति-जनजाति विरोधी है। लेकिन जैसे ही केंद्र में भाजपा सरकार बनी तो सबसे पहले देश भक्त मुस्लिम अब्दुल कलाम जी को राष्ट्रपति बनाया।

कलेक्टर के साथ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर आशीष सिंह के साथ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी ने कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया उनके साथ उप निर्वाचन अधिकारी श्री संजय श्रीवास्तव और उप रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि मतदान केंद्र पर रैंप की व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो इसके साथ ये भी सुनिश्चित किया किया जाए कि टॉयलेट और बुजुर्गों के लिए कुर्सी और व्हील चेयर भी मतदान केंद्र पर रहे।

कलेक्टर सिंह ने निर्देशित किया है कि जिन मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत कम रहा है वहां ये सुनिश्चित करें कि कोई मतदाता का नाम सूची में आने से छूट तो नहीं रहा है। मतदाताओं को जोड़ने का काम भी लगातार चलता रहे। इसके लिए बीएलओ घर - घर जाकर परीक्षण कर ले और यह भी सुनिश्चित कर ले कि एक साथ रहने वाले परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर हो। यदि यह बात मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद पता चलती है कि कई मतदाताओं का नाम सूची में आने से छूट गया है तो संबंधित बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन चार अक्टूबर को होगा, उसके पूर्व सभी लोग ये सुनिश्चित कर लेने की कोई भी मतदाता, मतदाता सूची में आने से वंचित ना रह जाए, इसके लिए डोर टू डोर सर्वे भी किया जाए। कलेक्टर सिंह के साथ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री गोस्वामी ने उत्तर भोपाल, मध्य भोपाल और दक्षिण पश्चिम विधानसभा के अनेक मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

एमपी ट्रांसको ने जुलवानिया में स्थापित किया 160 एमव्हीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर

भोपाल। एमपी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने निमाड़ क्षेत्र में अपनी ट्रांसफारमेशन क्षमता में बढ़ोत्तरी करते हुए 220 के व्ही सबस्टेशन जुलवानिया में 160 एमव्हीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर के कार्य को 16.20 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इससे 220 के व्ही सबस्टेशन जुलवानिया की क्षमता बढ़कर 403 एमव्हीए की हो गयी है तथा बड़वानी जिले की ट्रांसफारमेशन क्षमता बढ़कर 2019 एम व्ही ए की हो गयी है। श्री तोमर ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से निमाड़ क्षेत्र की पारेषण क्षमता को मजबूती मिली है। इससे विद्युत उपभोक्ताओं को भरोसेमंद उच्च गुणवत्तापूर्ण विद्युत सप्लाई समुचित वोल्टेज पर उपलब्ध रहेगी।

288 करोड़ से होगा भोपाल जिले की विद्युत अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण

भोपाल। जिले की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं विद्युत हानियों को कम करने के उद्देश्य से 288 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। इसमें से भारत सरकार द्वारा रिवेंप?ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के प्रथम चरण में 216 करोड़ रूपये और राज्य सरकार द्वारा 72 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि स्वीकृत राशि से कराये जाने वाले कार्यों में 220/132 केव्ही अतिरिक्त अति उच्च दाब पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापना, 220/132 केव्ही अति उच्च दाब पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि, 12 किलोमीटर 220 केव्ही लाइन निर्माण, 8 किलोमीटर 132 केव्ही लाइन निर्माण, 6 नवीन 33/11 केव्ही उपकेंद्र निर्माण, 17 उच्च दाब उपकेंद्रों में क्षमता वृद्धि एवं अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापना, वोल्टेज व्यवस्था के सुधार के लिए 35 स्थानों पर कैपेसिटर बैंक स्थापना, 700 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापना, 488 किलोमीटर निम्न दाब लाइनों का केबलिंग कार्य, 710 किलोमीटर उच्च दाब फीडरों का विभक्तिकरण और कंडक्टर क्षमता वृद्धि के कार्य सम्मिलित हैं। इससे भोपाल जिले की लगभग 24 लाख की जनसंख्या लाभान्वित होगी। साथ ही आगामी 10 वर्षों की विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति हो सकेगी।

पीड़ितों को आर्थिक सहायता प्रदान करें: सखलेचा

भोपाल। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं सिवनी जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने विगत दिवस लखनादौन में भारी वर्षा से हुई मकानों की क्षति एवं पशु हानि के संबंध में जिला कलेक्टर को तत्काल सर्वे कर प्रभावितों को सहायता देने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री सखलेचा ने प्रभावितों को हर संभव मदद देने और सुरक्षित स्थानों में रखने, उनके भोजन-पानी, चिकित्सा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने की समीक्षा भी की। मंत्री सखलेचा ने विकासखंड केवलारी के ग्राम घाट खरपड़िया स्थित वैनगंगा नदी में फँसे लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू एवं स्वास्थ्य की जानकारी भी ली।

छात्र संघ अध्यक्ष से केंद्रीय मंत्री तक का सफर, हिंदुत्व की राह पर चलने वाले नेता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दमोह लोकसभा संसदीय क्षेत्र से सांसद और मप्र के वरिष्ठ नेताओं में से एक केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का जन्म आज ही के दिन, यानी 28 जून 1960 को गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर (मध?य प्रदेश) में हुआ था। पटेल आज 63 साल के हो गए हैं। मध्य प्रदेश में उन्हें पिछड़े वर्ग का बड़ा नेता माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको उनसे जुड़ा एक किस्सा बताएंगे। कहा जाता है कि प्रहलाद पटेल का राजनीति में आना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। कभी राज्य प्रशासनिक सेवा की परीक्षा पास करने वाले प्रहलाद पटेल के पास डीएसपी बनने का मौका था। लेकिन उन्होंने ऐसो आराम की नौकरी छोड़ राजनीति में आने का फैसला किया7 पटेल ने वकालत की पढ़ाई की है और इसी दौरान उन्होंने राज्य प्रशासनिक सेवा पास की थी। अगर वे चाहते तो उस वक्त डीएसपी के पद पर तैनात हो सकते थे और ऐसो आराम की जिंदगी जी सकते थे। हालांकि आज उनकी जिंदगी कुछ वैसी ही है। लेकिन जरा सोचिए जिस समय वो राजनीति में आए भी नहीं थे और उन्होंने ष्ठस्कका पद ठुकरा दिया था तब उनकी क्या स्थिति रही होगी। उस समय तो राजनीति को लेकर भी 10 बातें होती थी।

हालांकि आज उन्हें बुंदलेखंड का बड़ा नेता माना जाता है। साथ ही वे एक कुशल वक्त हैं और स्थानीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर गहरी पकड़ रखते हैं। पटेल ने अपने राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे हैं। एक समय में उन्हें उमा भारती का कट्टर समर्थक माना जाता था। यही कारण है कि जब साल 2005 में उमा भारती ने भाजपा से अलग होकर 'भारतीय जनशक्ति पार्टी' की स्थापना की थी, तो पटेल भी उनके साथ हो गए थे। हालांकि तीन साल बाद ही मार्च 2009 में उन्होंने भाजपा में घर वापसी कर ली थी। पटेल लोकसभा में एक अनुभवी सांसद हैं। पहली बार वे 1989 में लोकसभा के सदस्य चुने गए थे।

पटेल अपने छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हो गये थे। साल 1980 वे जबलपुर विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने राजनीति में कभी पलट कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गए। पटेल भाजपा की युवा शाखा 'भारतीय जनता युवा मोर्चा' के प्रदेश में कई अहम पदों पर भी रहे हैं। मूलरूप से नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव के रहने वाले प्रहलाद पटेल 1989 में पहली बार में ही लोकसभा सांसद चुन लिए गए थे। इसके बाद 1996 में दूसरी बार और 1999 में तीसरी बार लोकसभा के लिए चुने गए थे। इस दौरान वे लोकसभा के विभिन्न समितियों के सदस्य भी रहे।

लेकिन उनके राजनीतिक सफर में एकदम से उछाल आया साल 2003 में जब उन्हें अटल सरकार में कोयला राज्य मंत्री बनाया गया। इसके अलावा उमा भारती प्रकरण के बाद वे जैसे ही बीजेपी में वापस आए उन्हें कई और जिम्मेदारियां दी गईं। उन्हें भारतीय जनता मजदूर महासंघ का राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारतीय जनता मजदूर मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया। पटेल उन गिने चुने राजनेताओं में से हैं जिन्होने नर्मदा परिक्रमा की है। नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर लगभग 3300 किलोमीटर की यह पैदल परिक्रमा नर्मदा भक्तों में पवित्र मानी जाती है। पटले ने इस परिक्रमा को किया है। वे विशुद्ध शाकाहरी हैं तथा हिंदुत्व की राह पर चलने वाले नेता हैं।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष सक्रिय

भोपाल। जिले में बाढ़, अतिवृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति से निपटने के लिये जिला कार्यालय भोपाल नगर निगम कार्यालय सदर मंजिल, फायर ब्रिगेड स्टेशन फतेहगढ़ में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जो 15 जून से 15 अक्टूबर 2023 तक 24 घण्टे कार्यरत रहेगा। बाढ़ कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 0755-2540220 एवं 0755-2701401, 0755-2542222 होगा। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी दुर्गा पटले अधीक्षक भू-अभिलेख मोबाइल नम्बर 7400509463 होंगे तथा अर्जुन मुरलीधर अधीक्षक भू-अभिलेख मोबाइल नम्बर 9425016247 लिंक अधिकारी होंगे।

91-7440389275
Yash Civil Contractor
Residential / Commercial
Quality Construction With
Material & Labour Rates
Contact Us :-
Bhopal. (M.P.)

यह मुफ्तखोरी देश बर्बाद करेगी

वित्तीय प्रबंधन का सर्वमान्य सिद्धांत है कि ÷राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन के अनुसार राज्य सरकारों का ऋण और देनदारियां राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।÷ 2020-21 में मध्य प्रदेश में यह 31.53 प्रतिशत पर पहुंच गया था जबकि केंद्र सरकार के राजकोषीय अनुशासन, जिसके लिए उसे अपने कट्टर विरोधियों से भी प्रशंसा मिलती है, ने केंद्र सरकार के ऋण को सीमा के भीतर रखा है, जबकि केंद्र और राज्य सरकारों का समग्र ऋण बढ़ता जा रहा है। इसका मुख्य कारण राज्य सरकारों की वित्तीय अनुशासनहीनता है।

गौरतलब है कि 2013-14 में जहां राज्य सरकारों का कुल कर्ज और देनदारी जीडीपी का महज 22 फीसदी था, वहीं साल 2018-19 तक (कोरोना से पहले) यह 25.33 प्रतिशत पर पहुंच गया। हालांकि कोरोना के बाद स्वाभाविक तौर पर ये कर्ज और देनदारियां जीडीपी के 31.05 प्रतिशत तक और बढ़ गई थीं। इसलिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का समग्र ऋण (जिसमें केंद्र सरकार के ऋण और देनदारियां और केंद्र सरकार को छोड़कर अन्य के प्रति राज्य सरकारों की देनदारियां शामिल हैं) 2013-14 में 67 प्रतिशत से 2020-21 में बढ़कर 89.41 प्रतिशत हो गया।। इस वृद्धि में पूरा योगदान राज्य सरकारों के ऋण-देनदारियों में वृद्धि का था।

2020-21 तक देश के ज्यादातर राज्यों में कर्ज-जीडीपी अनुपात 20 प्रतिशत से ज्यादा पहुंच गया था। राज्य सरकारों के आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में यह 48.98प्रतिशत , राजस्थान में 42.37प्रतिशत , पश्चिम बंगाल में 37.39, प्रतिशत बिहार में 36.73 प्रतिशत , आंध्र प्रदेश में 35.30 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 31.53 प्रतिशत पहुंच गया। लेकिन कैग का कहना है कि अगर राज्य सरकारों के उद्यमों के कर्ज और राज्य सरकारों की गारंटी को भी इसमें शामिल कर लिया जाए तो राज्य सरकारों का कर्ज असल में कहीं ज्यादा है। कैग के अनुमान के मुताबिक यह पंजाब में जीडीपी का 58.21, राजस्थान में 54.94 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 53.77, प्रतिशत तेलंगाना और मध्य प्रदेश में क्रमशः 47.8 प्रतिशत 9 और 47.13 प्रतिशत पहुंच गया था। सीएजी द्वारा परिकलित ऋण और देनदारियां इस संबंध में राज्य सरकारों द्वारा दिए गए आंकड़ों से 10 से 20 प्रतिशत अधिक हैं। अर्थात यह माना जा सकता है कि यद्यपि वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों का समग्र ऋण सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 84 प्रतिशत है, लेकिन कैग के अनुमान के अनुसार केंद्र और राज्य सरकारों का समग्र ऋण सकल घरेलू उत्पाद के 90 प्रतिशत से अधिक है।

यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और शहरी दोनों, के तहत गरीबों के लिए आवास के लिए भारी धनराशि के बावजूद, जिसमें 3 करोड़ घर पहले ही बन चुके हैं, कोरोना काल से अब तक 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज, किसी भी कृषि भूमि वाले सभी किसानों को किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत के तहत करोड़ों लोगों का 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज, बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भारी खर्च, औद्योगिक उत्पादन को गति देने के लिए लगभग 3 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, कोरोना के दौरान तमाम तरह की राहत और प्रोत्साहन के साथ-साथ पूरी आबादी का टीकाकरण के भारी खर्च के बावजूद केंद्र सरकार का ऋण सीमा के भीतर है, जबकि कई राज्य सरकारें राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने में विफल रही हैं।

इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक का मानना है कि इस खतरे के पीछे मुफ्तखोरी का हाथ है। कर राजस्व का एक बड़ा हिस्सा मुफ्त योजनाओं पर खर्च होता है। पंजाब में यह 45.5 प्रतिशत है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह खर्च 30.3 प्रतिशत है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश एवं झारखण्ड में कर राजस्व का क्रमशः 28.8 प्रतिशत एवं 26.7 प्रतिशत मुफ्त योजनाओं पर व्यय किया जाता है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो पंजाब में जीडीपी का 2.7 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में जीडीपी का 2.1 प्रतिशत मुफ्त योजनाओं के लिए खर्च किया जाता है। आजकल कई राज्यों में अमीर और गरीब सभी को 100 से 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी और महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त यात्रा, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, जैसी योजनाओं की बाढ़ सी आ गई है। यानी, चाहे किसी को मुफ्त बिजली/पानी/यात्रा की जरूरत हो या नहीं, यह सभी के लिए उपलब्ध है। मुफ्त की योजनाओं के कारण, वोट बटोरने के उद्देश्य से, प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद के कारण, राज्यों का कर्ज और इसलिए, देश का कुल कर्ज बढ़ रहा है, जिसे हमारी आने वाली पीढ़ियों को वहन करना होगा।

चीन को बेचैन कर गयी अमेरीका की यात्रा

– ललित गर्ग –

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरीका की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली साबित होगी। अमेरीका की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अमरीका के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। भारत की अमेरीका यात्रा से चीन की नींद उड़ गयी है वहीं पाकिस्तान भी बौखलाया है। भारत के दोनों दुश्मन राष्ट्रों की तिलमिलाहट से जाहिर हो रहा है कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन रहा है। चीन बेचैन है भारत के प्रधानमंत्री की इस ऐतिहासिक, निर्णायक एवं श्रेयस्कर अमेरीका यात्रा से। भारत एवं अमेरीका के बीच हुए समझौते यह भी दर्शाते हैं कि आज भारत को जितनी आवश्यकता अमेरीका की है, उससे कहीं अधिक उसे भारत की है। इसका एक कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरीका का कम होता प्रभाव और भारत का बढ़ता हुआ कद है। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। भारत एवं अमेरीका की दोस्ती प्रधानमंत्री की यात्रा से प्रगाढ़ हुई है, जो दोनों देशों के लिये शुभता का सूचक है।

मोदी की इस यात्रा से भारत-अमेरिका संबंधों की एक नई इबारत लिखी गयी है और नये संकल्पों की गौरवशाली यात्रा शुरू हो गई है। दुनिया के दो महान लोकतंत्र देश दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपने बंधन को मजबूत कर रहे हैं। भारत लोकतंत्र की जननी है और अमेरिका आधुनिक लोकतंत्र का चैंपियन है। दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूती देने में दोनों के साझा प्रयत्नों के सुपरिणाम सामने आयेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेश लौटकर भारत-अमेरिका संबंधों के बारे में कहा, 'हम साथ मिलकर सिर्फ नीतियां और समझौते ही नहीं बना रहे हैं। हम जीवन, सपनों और नियति को भी आकार दे रहे हैं।' वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत

को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है। स्वयं, समाज एवं राष्ट्र के विकास से आगे बढ़ने की सोच देने वाला भारत अब दुनिया का विकास चाहता है, यही वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र आज दुनिया को भा रहा है और इसी कारण हर कोई भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है, चाहे वो शक्तिशाली राष्ट्र ही क्यों न हो।

निगाहें केवल चीन और पाकिस्तान की ही नहीं, बल्कि भारतीय प्रधानमंत्री के अमेरीकी दौरे पर दुनिया भर के देशों की थीं। यह अच्छा हुआ कि भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरीकी राष्ट्रपति के बीच शिखर वार्ता के बाद जो संयुक्त बयान जारी हुआ, उसमें पाकिस्तान के साथ चीन पर भी निशाना साधा गया। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि पाकिस्तान जहां आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। आज दुनिया आतंकमुक्ति संसार की संरचना चाहता है।

अमेरीका की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री का व्हाइट हाउस में जैसा भव्य स्वागत हुआ और अमेरिकी संसद में उनके संबोधन को जिस तरह सराहा गया, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि दोनों देशों के संबंध एक नए युग में पहुंच रहे हैं। वैसे तो दोनों देशों के संबंध एक लंबे समय से प्रगाढ़ हो रहे हैं, लेकिन इसके पहले किसी भारतीय प्रधानमंत्री को अमेरीका में शायद ही इतनी महत्ता मिली हो। इस महत्ता को रेखांकित कर रहे हैं रक्षा, तकनीक, उद्योग आदि क्षेत्र में हुए वे अनेक महत्वपूर्ण समझौते, जो भारत और अमेरीका के बीच हुए। इनमें कुछ समझौते ऐसे हैं, जिनके लिए भारत दशकों से प्रयासरत था, जैसे कि जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के बीच युद्धक विमानों के इंजन एफ 414 को मिलकर भारत में बनाने का समझौता। इस तरह के समझौते दोनों देशों की निकटता को भी रेखांकित कर रहे हैं और एक-दूसरे के प्रति भरोसे को भी। अमेरीका का भारत पर बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत के बिना चीन को करारा जबाव देना नामुमकिन है।

इन नये बनते परिदृश्यों में चीनी विश्लेषकों का मानना है कि अमरीका की कोशिश भारत को चीन से मुकाबले के लिए तैयार करने की है, जबकि दूसरी ओर वह चीन की आर्थिक प्रगति में अवरूद्ध करना चाहता है। कुछ विश्लेषकों के मुताबिक, 'भारत के साथ आर्थिक व व्यापार सहयोग मजबूत करने के अमरीका के पुरजोर प्रयास का मुख्य उद्देश्य चीन का आर्थिक विकास धीमा करना है।' इन दावों से इतर एक तथ्य यह है कि भारत के लिए अमरीका के साथ व्यापार करना फायदे का सौदा रहा है। भारत को अमरीका के साथ व्यापार करके अधिक आय होती है, जबकि चीन के साथ व्यापार के कारण बीते कुछ वर्षों से देश को सालाना औसतन 60 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा था। एडवांस्ड एप्लाइड मटीरियल्स के गैरी डिकर्सन ने मोदी से मुलाकात के बाद एक इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 400 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा भी की है जिससे कई व्यावसायिक अवसर सृजित होंगे। मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अमरीकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने जाते हैं। कुशल श्रमिकों, विद्यार्थियों आदि के आदान-प्रदान के नियमों को सरल बनाने से न केवल वीजा प्रक्रिया रफ्तार पकड़ेगी बल्कि वीजा की संख्या में वृद्धि युवाओं को नए मौके देगी। अहमदाबाद और बेंगलूरु में अमरीका के दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने व भारत द्वारा अमरीका के सिएटल में और इसके बाद दो अन्य स्थानों पर वाणिज्य दूतावास खोलने की सहमति को भी उम्मीद भरे अवसरों की इसी दृष्टि से देखा जा सकता है।

अमेरीका एवं भारत के बीच बढ़ती प्रगाढ़ता से चीन पर भारत की निर्भरता न्यूनतम हो जायेगी। चीन की दादागिरी उसके लिये कितनी नुकसानदेय साबित हो रही है कि एक बड़ा बाजार चीन के हाथ से निकल रहा है। बात भारत एवं अमेरीका की ही नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देश चीन की नीति एवं नियत से परेशान है। बात खनिज क्षेत्र की करें तो अमरीका के साथ बनी 'खनिज सुरक्षा साझेदारी' के तहत धातुओं के क्षेत्र में बनी सहमति से चीन पर निर्भरता खत्म हो सकेगी। खास तौर से ईवी बैटरियों के निर्माण में आत्मनिर्भरता तो मिलेगी ही, ड्रोन, सोलर पैनल आदि निर्माणों को भी गति मिलेगी। सब जानते हैं कि अमरीका और इजरायल के द्वारा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी ने दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के विकास और स्थिरता के उद्देश्यों को प्राप्त करने में बड़ा योगदान दिया है। इसी तारतम्य में भारत का अमरीका के साथ सामरिक संबंध भी महत्त्वपूर्ण है। अमेरीका से हुए व्यापारिक समझौतों से भारत की व्यापारिक एवं औद्योगिक विकास की गति को नये पंख लगेंगे। इस तरह, चीन प्रधानमंत्री मोदी की अमरीका यात्रा को अपनी महत्त्वाकांक्षाओं पर पानी फेरने वाला मान रहा है। ये महत्त्वाकांक्षाएं हैं एशिया में सैन्य, आर्थिक व तकनीक क्षेत्रों में प्रभुत्व जमाना। चीन एशिया पर अपना नेतृत्व थोपने की कोशिश कर रहा है, जिसके एक हिस्से के रूप में भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया व अन्य देशों की स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पर सवाल उठाना शामिल है। इन हालात के बीच मोदी की अमरीका यात्रा एशिया के भाग्य के लिए नये सूर्य का उदय कही जा सकती है।

क़ानून व्यवस्था सुदृढ़ होने के दावे और बेख़ौफ़ अपराधी

निर्मल रानी

केंद्र व लगभग सभी राज्य सरकारों के %क़ानून व्यवस्था नियंत्रित% होने के तमाम दावों के बावजूद प्राय: ऐसी अनेक घटनायें सामने आती रहती हैं जो इन सरकारी दावों की धज्जियाँ उड़ा कर रख देती हैं। ऐसी ही एक घटना गत 24 जून 2024 को राजधानी दिल्ली के व्यस्ततम इलाक़े प्रगति मैदान की सुरंग के भीतर उस समय घटित हुई जबकि मोटरसाइकिल सवार चार बदमाशों द्वारा कार रुकवाकर एक डिलीवरी एजेंट और उसके सहयोगी से पिस्टल दिखाकर लगभग 2 लाख रुपये लूट लिये गये। जिस समय लूट की घटना अंजाम दी जा रही थी उस समय इस सुरंग में ट्रैफ़िक चल रहा था। सुरंग में लगे सी सी टी वी कैमरे में लूट की दुस्साहसिक घटना रिकार्ड हुई। इस घटना ने देश के लोगों को स्तब्ध कर दिया कि जब प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री के निवास व कार्यालय तथा सर्वोच्च न्यायालय के बिल्कुल क़रीब इस तरह की घटना अंजाम दी जा सकती है फिर दूर दराज़ के या सन्नाटे इलाक़ों में किसी व्यक्ति की सुरक्षा की भला क्या गारंटी ? ग़ौरतलब है कि राजधानी दिल्ली की पुलिस व्यवस्था दिल्ली में निर्वाचित सरकार होने के बावजूद केंद्र सरकार के पास ही है। और दिल्ली पुलिस देश की आधुनिक व चौकस पुलिस फ़ोर्स के रूप में गिनी जाती है।

परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि जो पुलिस प्रदर्शनकारी हज़ारों किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने का साहस रखती हो, जो पुलिस महिला खिलाड़ियों को जंतर मंतर से दिल्ली के नवनिर्मित संसद भवन पर महिला पंचायत करने से रोकने की क्षमता रखती हो आख़िर उसी पुलिस से अपराधी इतना बे ख़ौफ़ कैसे हो गये कि सरे शाम दिल्ली के इतने हाई फ़ाई व संवेदनशील इलाक़े में कार रुकवा कर पिस्टल की नोक पर इतनी दुस्साहसिक लूट कर डाली। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इस सम्बन्ध में पहले दो कथित आरोपियों को गिरफ़्तार करने और बाद में उनकी निशानदेही पर दो और कथित आरोपियों को गिरफ़्तार भी कर लिया है। फिर भी लूट की इस घटना के बाद दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, अन्य विपक्षी दलों तथा कांग्रेस पार्टी ने भी भाजपा सरकार की कार्यकुशलता पर सवाल

खड़ा किया है। सोशल मीडिया पर भी यह लूट चर्चा का विषय बानी हुई है। दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो दिल्ली के उपराज्यपाल से इस्तीफ़ा देने की मांग तक कर डाली। केजरीवाल ने कहा कि- %अगर उनसे दिल्ली नहीं संभल रही तो हमें सौंप दें। हम उन्हें बताएंगे कि दिल्ली में अपराध को कैसे रोका जा सकता है%।

इसी तरह उत्तर प्रदेश की सरकार भी अपराध पर नियंत्रण करने का ज़ोर शोर से दावा करती है। आये दिन राज्य में होने वाली पुलिस मुठभेड़ों के द्वारा भी यही सन्देश देने की कोशिश की जाती है कि राज्य में गुंडों व उनकी गुंडागर्दी को सहन नहीं किया जायेगा। परन्तु इसी राज्य में पुलिस सुरक्षा में गत 15 अप्रैल रात को रात 10:35 पर अतीक़ अहमद व उसके भाई अशरफ़ की मीडिया कर्मियों के सामने इलाहाबाद के कॉल्विन अस्पताल परिसर में तीन शूटरों द्वारा गोली मारकर हत्या की गयी और पुलिस अपनी निगरानी में चल रहे क़ैदियों को सुरक्षा नहीं दे सकी। यह तीनों शूटर पत्रकार के वेश में कॉल्विन हॉस्पिटल परिसर में अतीक़ अशरफ़ के क़रीब पहुंचे थे। इस घटना ने भी पुलिस की कारगुज़ारी पर सवाल खड़ा किया है। अतीक़ व अशरफ़ के परिवार ने तो उसी समय सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर यहां तक आरोप लगाया था कि इन दोनों भाइयों की हत्या में सरकार का हाथ है और यह राज्य प्रायोजित हत्या थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी कि दोनों भाइयों के साथ-साथ अतीक़ के बेटे असद अहमद के एनकाउंटर की भी स्वतंत्र जांच कराई जाए। याचिका में यह भी कहा गया था कि -%उच्चस्तरीय सरकारी एजेंटों के माध्यम से इस पूरी घटना की योजना बनाई गई। उन्होंने उसके परिवार के सदस्यों को मारने के लिए योजना बनाई और उसे पूरा किया। याचिका में यह भी कहा गया था कि प्रतिशोध के तहत उसके परिवार के सदस्यों को मारने, अपमानित करने, गिरफ़्तार करने और परेशान करने के लिए उन्हें पूरी छूट दी हुई है, ऐसा प्रतीत होता है। यदि पुलिस अपनी लापरवाही से अतीक़ व अशरफ़ को हत्यारों की गोली का निशाना बनने से रोक लेती तो शायद इसतरह के संगीन आरोप राज्य सरकार और उसकी पुलिस पर न लगते। उत्तर प्रदेश में ही इससे भी चुनौतीपूर्ण व सनसनीख़ेज़ घटना गत 7 जून लखनऊ की स्थानीय अदालत के भीतर हुई। संजीव माहेश्वरी उर्फ़ जीवा नाम के एक गैंगस्टर की भरी अदालत में गोली मारकर हत्या कर दी गई। जीवा को एक मामले में सुनवाई के लिए अदालत में लाया गया था। जहां हमलावरों द्वारा गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। हमलावर वकीलों की पोशाक पहनकर आधुनिक पिस्टल साथ लेकर जीवा के अदालत में पहुँचने से पहले ही उसी कोर्ट रूम में जा बैठे थे। परन्तु पुलिस को इस साज़िश की भनक तक नहीं मिली ? कहा जाता है कि जिस समय हत्यारे ने जीवा पर गोली चलानी शुरू की उस समय अदालत में तो भगदड़ मची ही ख़ुद जज साहब भी किसी अनहोनी से बचने के लिये अपनी टेबल के नीचे जा घुसे। बाद में कुछ वकीलों ने ही साहस दिखाते हुये हत्यारे पर क़ाबू पाया।

सवाल यह है कि बुलडोज़र की धमक दिखाकर, समुदाय विशेष को निशाना बनाकर या फ़र्ज़ी मुठभेड़ों में लोगों को मारने जैसी कार्रवाईयां ही पुलिस की कुशलता व चौकसी का प्रमाण हैं या कि आम लोगों को भी इस बात का एहसास होना चाहिए कि देश में क़ानून का राज है ? अपराधियों का पुलिस कस्टडी में, अदालत में मारा जाना या दिल्ली के व्यस्त इलाक़े में नंगा नाच दिखाना और लूट व हत्या जैसी वारदातों को बेख़ौफ़ अंजाम देना तो यही दर्शाता है कि सरकार भले ही क़ानून व्यवस्था सुदृढ़ होने के कितने ही दावे क्यों करे परन्तु अपराधी बेख़ौफ़ हैं और उनके हौसले पूरी तरह बुलंद हैं।

हम शास्त्री जी को क्यों याद करें?

पुण्यतिथि/जयराम शुक्ल

राजनीति और नेतागिरी आज जिस पतनशीलता के दौर से गुजर रही है, आम-आदमी के मुद्दे कारपोरेट के डस्टबिन में डाले जा रहे हैं, ऐसे में यमुना प्रसाद शास्त्री की रह-रहकर याद आना स्वाभाविक है। शास्त्री जी जीवन पर्यन्त राजनीति की अंधेरी कोठरी में सर्वहारा वर्ग के लिए रोशनदान की तरह उजाले की उम्मीद जगाते रहे। उनकी दृष्टि वैश्विक थी इसीलिए जिस झोपड़े में उन्होंने जीवन गुजारे उसे वसुधैव कुटुम्बकम का नाम दिया।

शास्त्री जी की जरूरत विंध्य को ही नही देश और दुनिया को भी रही है। उनके व्यक्तित्व व कृतित्व को किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता। शास्त्री के हृदय में जितना दर्द हनुमना के जड़कुड और अर्जुन कहुआ के गरीब आदिवासियों के लिए था, उतनी ही तड़प अफ्रीका और लातीन अमेरिका में भूख और कुपोषण से पीड़ित बच्चों के लिए थी। यूपीए सरकार के तमाम घपलों घोटालों के बावजूद जिन अच्छे कामों के लिए जाना जाएगा, उन सभी को शास्त्रीजी ने पार्लियामेंट में बहुत पहले ही अशासकीय संकल्पों के जरिए प्रस्तुत कर चुके थे।

राइट टु इनफारमेशन, राइड टू फूड, राइट टू वर्क, राइट टु एजुकेशन, इन सबकी मौलिक अवधारणा शास्त्री जी की ही थी। शास्त्रीजी 77 में लोकसभा के लिए चुने गए। यह दुनिया के लिए बड़ी खबर थी। एक रंक ने राजा को हरा दिया। उनकी नेत्रहीनता को लेकर भी तमाम चर्चाएं होती रहीं। अच्छी भी और बुरी भी। लेकिन मेरे जैसे बहुत से लोग कल भी मानते थे और आज भी याद करते हैं कि शास्त्री जी जैसी दिव्य दृष्टि सभी राजनेताओं को मिले।

शास्त्री जी लोकतांत्रिक समाजवाद के पक्षधर रहे। आचार्य नरेन्द्रदेव के वे सच्चे अनुयायी या यों कहें सच्चे उत्तराधिकारी थे। उन्हें सत्ता सुख के दो मौके आए। 77 में और फिर 89 में। 77 में तो वे प्रदेश की सत्ता की राजनीति के नियंता ही थे। जैसे चाहा वैसे प्रदेश की सरकार चली। पहली बार विधायक बने उनके कई साथी अनुयायी केबिनेट में पहुंचे, पर शास्त्रीजी स्वयं सत्ता से निर्लिप्त रहे।

सन् 89 के दौर में जब वीपी सिंह सरकार का पतन हुआ और कांग्रेस के समर्थन से चन्द्रशेखर प्रधानमंत्री के लिए सक्रिय हुए तो वे शास्त्री जी से भी मिलने पहुंचे। मुझे याद है शास्त्री जी उन दिनों दिल्ली के एस्कार्ट हास्पिटल में थे। चन्द्रशेखर ने उनके सामने अपने कैबिनेट में मंत्री बनने का प्रस्ताव रखा। सरकार के पतन से आहत शास्त्रीजी ने जवाब दिया कि मेरा तो आपके साथ जाने का प्रश्न ही नहीं उठता, किन्तु मेरी राय तो यह है कि चन्द्रशेखर जी आप भी यह अपकर्म न करें क्योंकि कांग्रेस कभी किसी की सगी नहीं रही।

शास्त्री जी चन्द्रशेखर के अनन्य मित्रों में से थे। भारत यात्रा में उनके साथ मीलों की दूरियां नापीं, पर जब राजनीति के सिद्धान्तों की बात

आई तो चन्द्रशेखर को भी खरी-खरी सुनाने के पीछे नहीं रहे।

मधु दण्डवते, मधु लिमये, चन्द्रशेखर, रामकृष्ण हेगड़े और सुरेन्द्र मोहन उन नेताओं में थे जिनके प्रति शास्त्री के हृदय में अपार सम्मान था। वे लोग भी शास्त्री से असीम स्नेह रखते थे। दलितों-पीड़ितों और आदिवासियों के लिए आन्दोलन का कोई न कोई मुद्दा वे ढूंढ ही लेते थे।

आन्दोलन का समापन शास्त्री जी के अनशन के साथ होता था। एक बार सुरेन्द्र मोहन जी ने कहा-शास्त्रीजी, बायपास हो चुकी है, एसीटोन जाने लगता है, अब तो अपनी देह का ख्याल रखते हुए ये 'वार्षिक कार्यक्रम' न किया करिए। शास्त्री जी उस वक्त तो चुप रहे और संतरे का जूस पीकर अनशन त्याग दिया।

बाद में मैने सुरेन्द्र मोहन जी की नसीहत का ध्यान दिलाया तो लगभग डाटते हुए बोले मेरे अनशन से अगर पांच भूखे परिवारों तक इमदाद पहुंच जाती है और उनका चूल्हा जलता है तो ऐसा अनशन साल में एक बार नहीं, कई-कई बार करूंगा। मैने कब चिन्ता की कि कोई मेरा अनशन तुड़वाने आए।

दरअसल शासन-प्रशासन शास्त्री जी के अनशन की घोषणा के साथ ही सक्रिय हो जाता था और हर पंचायतों तक राशन और मजूरों के लिए काम के इस्टीमेट बनने शुरु हो जाते थे। शास्त्री जी बेबसों, निर्धनों और मुसीबत जदा लोगों के लिए स्वमेव एक राहत थे।

राजनीति में गांधी के बाद शास्त्री ही ऐसे दुर्लभ हठयोगी थे कि उन्होंने जो ठान लिया सो ठान लिया। इस बात की कतई चिंता नहीं कि साथ में कितने लोग चल रहे हैं। झगराखाड़ कोयलरी के मजदूरों के लिए उन्होंने 'दिल्ली' मार्च किया। पैदल ही सरगुजा से दिल्ली की ओर चल पड़े। रास्ते में केन्द्र सरकार का दूत पत्र के साथ पहुंचा कि मांगे मान ली गईं

अस्वस्थता के बावजूद आखिरी दिनों में सिंगरौली से भोपाल के लिए कूंच कर दिया। मुद्दा था सिंगरौली के एक गरीब परिवार के साथ दबंगों का अत्याचार। आज नेताओं के साथ वक्त गुजारने वाले टहलुए देखते ही अरबपति बन जाते हैं, इसके उलट शास्त्री जी का कबीराना अन्दाजा था 'जो घर फूके आपना, चले हमारे साथ' घर फूंककर शास्त्री जी का हाथ पकड़ने वालों की कभी कमी नहीं रही।

एक बार विधायक होने के बाद नेता अपने आल औलाद के बारे में सोचती है। यही सवाल 90 के विधानसभा चुनाव में जब मैने उनके पुत्र देवेन्द्र की टिकट की पैरवी के साथ किया तो मुझे फिर एक बार डांट मिली ''हां अन्धा तो हूं ही तुम मुझे धृतराष्ट्र बनने के लिए कह रहे हो''।

आखिरी में शास्त्री जी के लिए आइंस्टीन के वही शब्दांश जो उन्होंने गांधी के लिए कहा था ''आने वाली पीढ़ी शायद ही इस बात पर यकीन करे कि भारत में हाड़-मांस का ऐसा भी कोई सख्स था, जिसकी अहिंसक हुंकार से सत्ताएं हिल जाया करती थी। शास्त्री जी की स्मृति को शत-शत नमन''।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

शासकीय रेस्ट हाउस के भीतर बाइक की बैट्री चोरी,

गौहरगंज, ब्यूरो/ औबेदुल्लागंज संवाददाता.. बुधवार रात्रि लगभग 09 से साढ़े 09 के बीच रेस्ट हाउस गौहरगंज स्थित रेस्ट हाउस के अंदर बने स्टोर रूम से स्थायी कर्मचारी संतोष यादव की मात्र 08 माह पुरानी हीरो स्प्लेंडर एम पी 04 जेड सी 7062 की बैट्री व उक्त बाइक में मौजूद आपातकाल में इस्तेमाल होने वाले उपक्रमों को चोर चोरी कर चंपत हो गये। मामला मुख्य सड़क के किनारे शासकीय रेस्ट हाउस का है। पुलिस की रात्रिकालीन गस्त पर भी सवाल उठ रहे हैं। चोरी के मामले गौहरगंज में बढ़ने से लोग परेशान हैं। प्रत्येक ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक में पुलिस द्वारा अपील की जाती रही है कि सभी अपने प्रतिष्ठानो व घरों के बाहर व भीतर कैमरे लगाएं।

उक्त बात से पुलिस को चोरों को पकड़ने में आसानी होगी परन्तु शासन के रेस्ट हाउस में ही कोई कैमरा नहीं लगा हुआ है। आम जनता को सभी नियमों का पालन करना आवश्यक है, लेकिन शासकीय स्तर में सुधार के लिए गौहरगंज को विधायक से लेकर सांसद तक ने लूप-लाइन में डाल दिया गया है। सत्ता पर काबिज़ नेताओं का क्षेत्र की अन्य जगह अधिक ध्यान आकर्षण होता रहा है, इसका बड़ा कारण भाजपा नेताओं का गौहरगंज के लिए पूर्वानुमान परेशान करने वाला है। बता दें भारतीय जनता पार्टी अधिकतर यहां 01 बूथ ही जीतती आई है। पीडब्लूडी के अंतर्गत रेस्ट हाउस से लेकर ग्राम की सड़कों के हालात बरसात से पहले ही बदहाल हो गये हैं।

75 दिव्यांग शिक्षकों का फिर होगा मेडिकल परीक्षण,नोटिस जारी

शिवपुरी - जिले में कार्यरत 64 दिव्यांग शिक्षकों और हाल ही में जिले से स्थानांतरित हुए संभाग में पदस्थ 11 दिव्यांग शिक्षकों के फिर से मेडिकल बोर्ड पर परीक्षण होंगे। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौर ने ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर और संकुल प्राचार्य को नोटिस जारी कर कहा है कि 30 जून तक नोटिस की तामील कराएं और सिविल सर्जन को भेजी सूचना में उन्होंने 3,4, 5 जुलाई को इनके मेडिकल बोर्ड से जांच कराने की बात कही है। जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौर द्वारा जारी किए गए 64 दिव्यांग शिक्षकों को 30 जून से पहले नोटिस मिल जाए] इसकी जिम्मेदारी संकुल प्राचार्य और ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर की लगाई गई है] ताकि किसी भी तरह से आनाकानी न हो। नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि वह मेडिकल बोर्ड के समक्ष निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होते हैं तो फिर उनकी नियुक्ति स्वतः ही निरस्त मान ली जाएगी। जारी किए गए नोटिस में 64 दिव्यांग शिक्षक शिवपुरी के विभिन्न शालाओं में शामिल हैं। जबकि शिवपुरी से स्थानांतरित होने वाले 11 शिक्षकों में भिंड में एक,दतिया में एक, ग्वालियर में 3, मुरैना में 5 और श्योपुर में 1 अब से कुछ समय पहले स्थानांतरित होकर पहुंच चुके हैं। यहां के डीईओ को भी इन दिव्यांग शिक्षकों के मेडिकल बोर्ड से पुनः जांच कराकर प्रमाण पत्र जारी करने का हवाला दिया गया है।

मकान गिरने से घायल हुए लोगों का हाल जानने पहुंचे राहुल सिंह

दमोह तेज बारिश के कारण, ग्राम- मानपुरा में बड़ी घटना होने से टली ! एक परिवार के तीन सदस्य मकान के गिरने से मलबे की चपेट में आ गए ! जिनका नाम आनंद अहिरवाल, चांदनी अहिरवाल, और बबीता अहिरवाल है। सूचना मिलते ही कैबिनेट मंत्री राहुल सिंह शासकीय जिला अस्पताल पहुंचे, घायल परिवारजनों का कुशल क्षेम जाना और डॉक्टरों से संवाद कर, बेहतर उपचार हेतु निर्देशित किया एवं सी.टी. स्कैन करवाया। अच्छी बात यह है कि अब तीनों खतरे से बाहर है जिनका बेहतर उपचार किया जा रहा है।

आर्थिक सहायता

धार, 29 जून 2023 / कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के पीथमपुर के दीपेश पिता नामदेव को बीमारी के उपचार के लिए 80 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार धार तहसील के लसुड़िया के धर्मेंद्र के पिता बद्रीलाल परमार को 75 हजार एवं देदला की शिवम पिता शेखर मीणा को बीमारी के उपचार के लिए 60 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की घोषणा–

महाकाल लोक की तर्ज पर होगा उदयपुर कॉरिडोर का भव्य निर्माण

एक हजार वर्ष पुरानी प्राचीन नगरी को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान, उदयपुर कॉरिडोर का नाम हो नीलकंठ लोक-पुजारी महेंद्र शर्मा

गंजबासौदा/उदयपुर (प्रमोद सिंह राजपूत)

परमार वंश के राजा उदयादित्य द्वारा निर्मित प्राचीन नगरी उदयपुर विश्व पटल पर अपनी ऐतिहासिक धरोहर को बिखेरने के लिए तैयार है विगत दिवस बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान ने गंज बासौदा की नवीन कृषि उपज मंडी समिति में आयोजित लाडली बहना सम्मेलन के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की कि उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर परमार वंश कालीन उदयपुर मैं उदयपुर कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा यह घोषणा होते ही सोशल मीडिया पर उदयपुर के नीलकंठेश्वर महादेव के भक्तों में एक उत्साह की स्फूर्ति जाग उठी और सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया 7 दैनिक सांध्य प्रकाश अखबार के संवाददाता ने जब मुख्यमंत्री से पूछा कि उदयपुर कॉरिडोर का काम कब प्रारंभ होगा तब श्री चौहान ने बताया कि उदयपुर कॉरिडोर के लिए एक विस्तृत योजना बन रही है संपूर्ण योजना बनने के बाद शीघ्र ही उदयपुर कॉरिडोर का भव्य व दिव्य निर्माण किया जायेगा7

यह है उदयपुर का इतिहास–

मुख्यमंत्री श्री चौहान की %उदयपुर कॉरिडोर% की घोषणा के अगले दिन गुरुवार को दैनिक सांध्य प्रकाश की टीम राजा उदयादित्य की नगरी उदयपुर पहुंची और एक हजार वर्ष पूर्व निर्मित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी पंडित महेंद्र शर्मा से विस्तृत चर्चा की तब पंडित जी ने उदयपुर मन्दिर सहित सम्पूर्ण प्राचीन नगरी का इतिहास बताया7 पंडित श्री शर्मा ने बताया कि उदयपुर का प्राचीन नाम भृंगराज पुर था और परमार वंश से पूर्व इस नगरी पर गौड वंश के राजा राज्य करते थे 11वीं शताब्दी में राजा उदयादित्य के पिता ने उदयपुर में अपना आधिपत्य जमाया पंडित जी ने बताया कि 1101 ईस्वी तक गौड़ वंश का राज्य शासन था 1102 से परमार वंश ने यहां अपना शासन प्रारंभ किया और अपने पुत्र उदयादित्य के नाम पर नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर जिसका एक नाम उदेश्वर मन्दिर का निर्माण विक्रम संवत 1116 ई 1059 में प्रारंभ किया जिससे उनके पुत्र राजा उदयादित्य ने विक्रम संवत 1137 ई 1080 पूर्ण किया जिसका ध्वजारोहण व मंदिर का भव्य शिलान्यास उद्घाटन समारोह भी संपन्न हुआ था जिसकी शिला पट्टिका आज भी मंदिर मैं मुख्य प्रवेश द्वार पर लगी हुई है7 भव्य मंदिर के चार प्रमुख प्रवेश द्वार थे जो चारों दिशाओं में बने हुए थे जिनमें से तीन अभी मौजूद हैं चारों प्रवेश द्वार पर द्वारपाल की मूर्तियां भी निर्मित थी जिनमें से कुछ अब खंडित कर दी गई हैं पूर्व दिशा व दक्षिण दिशा के द्वार तो यथावत हैं परंतु पश्चिम दिशा का मुख्य द्वार बंद करके मुगल काल में एक नवीन द्वारा बनाया गया था जबकि मुख्य द्वार बंद कर दिया इसके चिन्ह आज भी मौजूद हैं उत्तर दिशा का द्वार भी बंद है मंदिर परिसर में आठ छोटे-छोटे अन्य मंदिर भी बनाए गए थे जिनमें से 6 के कुछ अंश अभी दिखाई पड़ते हैं पंडित श्री शर्मा ने बताया कि 1336 मैं मोहम्मद तुगलक ने उदयपुर पर आक्रमण किया था जिसमें उसने उदयपुर के मंदिर में व प्राचीन नगरी में काफी तोड़फोड़ की थी जिस कारण यहां की अधिकांश मूर्तियां खंडित हैं श्री शर्मा ने कहा कि उस समय आक्रांता जितनी ऊंचाई पर मंदिर में चढ़ सके उतनी ऊंचाई तक उन्होंने तोड़फोड़ की साथ ही पंडित ने जी ने यह भी बताया कि 1808 में मराठा साम्राज्य के राजाओं ने इस मंदिर को अपने अधीन में ले लिया था साथ ही 1980 से 86 के बीच ग्वालियर के महाराजा ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार भी कराया था 1841 में खंडेराव अप्पा ने मंदिर में पीतल का कवच चढ़ाया था साथ ही ग्वालियर के राजा ने खंडित नंदी की मूर्ति को हटवा कर नवीन नंदी भगवान की मूर्ति स्थापित कराई थी7

कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: महेंद्र शर्मा

उदयपुर नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी महेंद्र शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा की गई इस घोषणा के बाद जब उदयपुर में %उदयपुर कॉरिडोर% बन जाएगा उसके बाद पूरे क्षेत्र का विकास हो जाएगा और युवाओं से लेकर सभी क्षेत्रवासियों के लिए रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे बेरोजगारी दूर हो जाएगी उदयपुर में संपन्नता और बढ़ जाएगी यह हम सब के लिए बड़े ही गर्व का विषय है कि उदयपुर में महाकाल मंदिर की तर्ज पर कॉरिडोर बन रहा है यहां पर कॉरिडोर बनने के बाद यह बड़ा तीर्थ क्षेत्र हो जाएगा हजारों की संख्या में दर्शनार्थी यहां प्रतिदिन दर्शन के लिए आएंगे जिससे कि पूरे क्षेत्र का विकास हो जाएगा मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि उन्होंने उदयपुर में कॉरीडोर बनाने की घोषणा की है7

राजा उदयादित्य के नाम पर उदयपुर में हैं अनेक स्मारक

उदयपुर के जागरूक नागरिक व सफल कारोबारी प्रवीण शर्मा ने दैनिक सांध्य प्रकाश के संवाददाता को बताया कि परमार वंश के राजा उदयादित्य के पिता ने अपने पुत्र राजा के नाम पर इस प्राचीन नगरी में अनेक स्मारक हैं जैसे कि इस प्राचीन नगरी का नाम राजा उदयादित्य के नाम पर उदयपुर रखा गया साथ ही नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर का नाम उदेश्वर महादेव मंदिर भी है, पूर्व दिशा की पहाड़ी जो स्वयंभू प्राकृतिक शिवलिंग है उसे उदेश्वर पहाड़ी भी कहा जाता है ,साथ राजा ने एक विशालकाय महल बनबाया जिसका नाम भी उदय महल रखा गया7 इसी प्रकार मन्दिर से 2 किलोमीटर दूर उदय समुद्र नाम से एक विशाल काय तालाब भी निर्मित है यह सब नाम राजा उदयादित्य के नाम पर रखे गए यह पूरा इतिहास 1000 वर्ष पुराना 11 बी शताब्दी का बताया जाता है7

युवाओं की टोली रही सक्रिय-

कोरोना काल के समय उदयपुर भृमण पर राज्य सूचना आयुक्त विजय मनोहर तिवारी व इतिहास कर सुरेश मिश्रा आये और ओर उनकी निगाह राजा के महल जिसपर निजी सम्पति का बोर्ड लगा था उस पर पड़ी फिर जो जनजागृति अभियान प्रारम्भ हुआ तब से युवाओं की एक टोली जिसमें प्रमुख रूप से प्रवीण शर्मा, गगन दुवे , मध्य स्वदेश के संवाददाता अमित शुक्ला, मधुर शर्मा, लक्ष्मी नारायण चौबे, प्रमोद चौरसिया, प्रमोद राजपूत, सौरभ तमेश्वरी सहित अनेक युवा जो विगत 3 वर्षों से लगातार उदयपुर के लिये जनजागृति में लगे रहे7 युवाओं ने कहा कि जनजागृति अभियान का परिणाम आज सार्थक होता प्रतीत हो रहा है यह बड़े ही सुखद की अनुभूती है जब प्रदेश के मुख्यमंत्री ने उदयपुर के लिये भव्य कॉरिडोर की घोषणा की है7श्री शर्मा ने कहा कि उदयपुर प्राचीन नगरी का इतिहास बहुत फैला हुआ है अभी यहां पिसनहारी महादेव मंदिर, रावण टोल , राजा की कचहरी, हजारिया महादेव, प्राचीन आकर्षक वावड़ीयां , 1 हजार फीट ऊंचाई पर दुर्गम पहाड़ी पर हिन्दू मान्यता के चिन्ह व तालाब नुमा आकृति उपलब्ध है ऐसे अनेक स्थल हैं जिनका प्रचार प्रसार आवश्यक है 7

इनका कहना है-

उदयपुर में उज्जैन महाकाल की तर्ज पर कॉरिडोर बनने से व्यापार के अवसर कई गुना बढ़ जाएंगे मन्दिर की भव्यता ओर अधिक बढ़ जाएगी 7 कॉरिडोर बनने से हजारों की संख्या में यहां पर्यटक आएंगे जिससे यह स्थल ओर भी प्रचलित हो जाएगा साथ ही उदयपुर नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के साथ साथ इस प्राचीनतम नगरी के अनेक स्थलों का भी विकास हो सकेगा यह हमारे लिए गर्व की बात है मे प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी का आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने उदयपुर में कॉरिडोर बनाने का निर्णय किया7

वर्षा चौरसिया
सरपंच, ग्राम पंचायत उदयपुर

प्रदेश के मुखिया शिवराज जी का कोटि कोटि आभार की उन्होंने उदयपुर में कॉरिडोर बनाने का निर्णय किया7 भगवान नीलकंठेश्वर का आर्शीवाद उन पर सदैव बना रहे7 यह निर्णय समूचे क्षेत्र के विकास में एक अडिग कदम सावित होगा7

प्रमोद चौरसिया,
निवासी, उदयपुर

दो दिवसीय कैंप में अभी तक लगभग 45 सौ का परीक्षण किया गया

पीपुल्स हॉस्पिटल के लगभग 2 सौ लोगों की टीम यहां पर आई,55 डॉक्टर भी विभिन्न विभागों से आये

दमोह शिविर की सफलता का मतलब है कि जो स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए आए हैं, उनकी संतुष्टि कितनी है। यदि वह हमारे डॉक्टरों से पैरामेडिकल स्टाफ से और बाकी लोगों से यह कहते हैं कि शिविर 2 दिन नहीं 7 दिन लगाये या दोबारा शिविर जरूर लगाये, यह पीपुल्स ग्रुप के लिए भी गर्व की बात है और मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन से जुड़े हुए लोगों के लिए भी गौरव और गर्व की बात है कि आपका प्रयास जनता स्वीकार कर रही है। यह बात केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा लगाये गये शिविर के दूसरे दिन जायजा लेते हुये कही। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र बजाज, सतीश तिवारी, रामेश्वर चौधरी, नरेन्द्र व्यास मौजूद थे। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कैंप में मरीजों को जो उपचार यहां से नहीं मिल सकता था, उन्हें बेहतर सुविधा देने के लिये वे स्वयं निः शुल्क यहां से पीपुल्स हॉस्पिटल ट्रांसफर कर रहे हैं, इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं कि उन्होंने तय किया है कि जो मरीज आएगा हम उसका समाधान देंगे, इस सफलता के लिए मैं सबसे पहले पीपुल्स ग्रुप और उनकी टीम को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के लोग ऑर्गेनाइजर है, यहां पर व्यवस्था देने का काम कर रहे हैं, जिसने बेहद अच्छा काम किया है जैसा कि पीपुल्स ग्रुप की टीम कह रहे है, इसके लिए मणिनागेंद्र सिंह फांउडेशन की टीम में लगे हुए सभी मित्रों का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। पीपुल्स विश्वविद्यालय के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित द्विवेदी ने बताया 2 दिन का कैंप दमोह संसदीय क्षेत्र में लगाया है, यह कैंप 28 एवं 29 जून को दमोह में आयोजित किया गया है। इस कैंप में पीपुल्स विश्वविद्यालय, पीपुल्स हॉस्पिटल के लगभग 200 लोगों की टीम यहां पर आई, इन 200 लोगों में 55 डॉक्टर से जो विभिन्न-विभिन्न विभागों से आये हैं।

अन्नपूर्णा रसोई का शुभारंभ आज

छतरपुर शहर में ऐसे लोग भी बसते हैं जिन्हें खाना तक नसीब नहीं है. पेट की भूख से ज्यादा बड़ी त्रासदी कोई नहीं. जब पेट भूखा हो तो इंसान कुछ भी करने को तैयार हो जाता है. वह हाड़तोड़ मेहनत कर अपने दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करते हैं. उन्हें कई बार भूखे पेट भी सोना पड़ता है. ऐसे में इन भूखे लोगों के लिए अर्चनाट्टगुड्डू सिंह मसीहा बनकर आए हैं. उनकी तरफ से एक ऐसी पहल की जा रही है जिसके जरिए जरूरतमंदों को भर पेट खाना मुफ्त मिलता रहे..आपको बता दें कि भूखे को अन्न और प्यासे को पानी देना वैसे भी सबसे बड़ा धर्म का काम है. और ऐसे ही नेक कार्य की शुरूआत करने की ठानी हैं छतरपुर शहर की पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह एवं पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने, छतरपुर की अन्नपूर्णा रसोई जिसका शुभारंभ आज से शहर के रविशंकर पार्क में होगा ।गौरतलब हो कि पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह कई वर्षों से अपने चौबे कॉलोनी स्थित घर प्रताप भवन पर जनसेवा कार्यालय खोले हुए हैं जिसके माध्यम से उनका पूरा परिवार समाजसेवा में सक्रिय हैं और जरूरतमंदों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।

कुबेरेश्वरधाम पर मनाया जाएगा गुरुपूर्णिमा महोत्सव

तीन दिन तक भागवत प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में होगा आयोजन

सीहोर। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में विठलेश सेवा समिति के तत्वाधान में गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन गुरुदेव भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जाएगा। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन को लेकर समिति की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया था। इस मौके पर गुरुदेव पंडित श्री मिश्रा सहित समिति और आस-पास के क्षेत्रवासी शामिल थे।

इस संबंध में विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि करीब 40 एक? के मंदिर परिसर में दो भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है। एक जुलाई से आरंभ होने वाले इस आस्था के महाकुंभ में लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन आऐंगे और गुरुदीक्षा प्राप्त करेंगे। शनिवार की सुबह नौ बजे से भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा के द्वारा तीन दिवसीय भव्य गुरु पूर्णिमा का गुरु दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें सुबह नौ बजे से बारह बजे तक आयोजन किया जाएगा। उसके उपरांत दूसरे पंडाल में दोपहर एक बजे से प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा के इस भव्य आयोजन का प्रसारण भी चैनल सहित अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से किया जाएगा। जिससे करोडों की संख्या में श्रद्धालुओं को जीवन में गुरु के महत्व और ईश्वर की आस्था के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।उन्होंने बताया कि हर साल गुरु के प्रति अपनी आस्था दिखाने के लिए आषा? माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर गुरु पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाता है।

मोदी के नेतृत्व में आज भारत के विकास में गति: चुघ

विश्वका भरोसा भारत पर है और भारत का भरोसा मोदी पर है: सिंधिया

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार गरीबों, मजदूरों, किसानों की सरकार है जो विकास के लिए काम कर रही है। 9 वर्षों में मोदी की सरकार गरीबों के जीवन में परिवर्तन लाई है। देश में लगभग 48 करोड़ लोगों के जन-धन एकाउंट खोले गए। उज्जवला योजना के तहत साढ़े 9 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गये। देश में लगभग साढ़े तीन करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई गई। 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया। 10 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है और लगभग साढ़े 12 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया गया है। पीएम आवास योजना के तहत हर गरीब को मकान के तहत तीन करोड़ से अधिक आवास निर्मित हुए हैं। देश में लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है। आज भारत के विकास में गति भी है, शक्ति भी है, सुरक्षा भी है और संयम भी है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत ग्वालियर के किला गेट रोड पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। जनसभा को सांसद विवेकनारायण शेजवलकर, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, ग्वालियर जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, शिवपुरी जिलाध्यक्ष राजू बाथम ने भी संबोधित किया।

दुनिया में घोटालेबाज देश के रूप में थी भारत की छविः श्री चुघ ने कहा कि 2014 के पहले देश की अर्थव्यवस्था चरामराई हुई थी। भ्रष्टाचार के नए मामले और घोटाले हर दिन सामने आते थे। केन्द्र सरकार के कई मंत्री या तो जेल में थे या फिर बेल (जमानत) पर थे। मोदी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद देश को उस स्थिति से बाहर निकाला।तो वह संबंधित व्यक्ति तक आते-आते 15 पैसा ही बचता है। लेकिन हमें गर्व है कि अगर हम दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं, तो उस व्यक्ति तक पूरा एक रुपया पहुंचता है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तरक्की को देख रहा है।

यह नरेंद्र मोदी के सपनों का भारत है

राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को शहर से जुड़ने के लिए सड़कों का निर्माण निरंतर किया जा रहा है। कृषि के क्षेत्र में भी मोदी सरकार प्रारंभ से प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार के बीते 9 वर्षों में भारत गरीबों एवं वचितों की सेवा करने वाला, नारी शक्ति को संबल देने वाला, युवाओं के सपनों को पूरा करने वाला, किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने वाला, सबके लिए सहज और उत्तम सेवाएं उपलब्ध कराने वाला तथा निरंतर विकास करने वाला भारत बना है।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जब तक पीड़ित शोषित लोगों की सेवा हम नहीं कर लेंगे तब तक हम चैन की सांस नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व का भरोसा भारत पर है और भारत का भरोसा मोदी पर है। मोदी के अमेरिका प्रवास के दौरान पूरा अमेरिका मोदीमय हो गया, अमेरिकी संसद में अनेकों बार खड़े होकर तालियां बजाई गई। यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया में मोदी जी के प्रवास के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने मोदी के लिए मोदी एज द बॉस कहा, यह 140 करोड़ भारतीयों के सम्मान की बात है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि 9 वर्षों में भारत नव निर्माण हुआ है। एक पूर्व प्रधानमंत्री कहते थे कि मैं ?100 भेजता हूं तब नीचे ?15 पहुंचता है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 9 साल में 50 करोड़ लोगों के जनधन के खाते खोले गए । पहले दिल्ली और गरीब के बीच में बिचौलिए खड़े रहते थे, उनको हटाने का काम मोदी ने किया है।

आदर्श जेन्डर रेसो बनाने आंगनवाड़ी वर्कर्स का सहयोग लें: कमिश्नर

कमिश्नर ने निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की

छतरपुर। कमिश्नर सागर डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत ने गुरुवार को छतरपुर जिले के प्रवास पर जिला पंचायत सभाकक्ष में आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए चल रही तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आदर्श जेन्डर रेसो बनाने के लिए प्राथमिकता से महिला मतदाताओं के नाम जुड़वाएं। इस कार्य में मैदानी आंगनवाड़ी वर्कर्स का सक्रिय सहयोग लें। चुनावी गतिविधियों के साथ साथ विभागीय गतिविधियों को समय पर पूरा करें और किसी भी स्थिति में पीछे न रहें। मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए व्यवस्थित ट्राईसाइकिल तैयार रखें।

बैठक में कलेक्टर संदीप जी.आर., एसपी अमित सांघी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम नमः शिवाय अरिजरिया, अनुविभागों के राजस्व अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ रावत ने कहा कि मतदाता सूची को आदर्श बनाने पर जोर दें। इस हेतु नाम दर्ज कराने से शेष महिला एवं युवा मतदाता को जागरूक बनाने के लिए सघन रूप से स्वीप की गतिविधियां करें। लोगों को जागरूक बनाते हुए अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारियों से किए जा रहे तैयारियों और मतदाता सूची में जोड़े जा रहे नाम की गतिविधियों की जानकारी भी ली।

उन्होंने कहा जिले के जिस क्षेत्र में जो अधिकारी पदस्थ हैं उन्हे सेक्टर दायित्व निभाने की जिम्मेदारी दें। जिससे वे अधिकारी मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधा जैसे बिजली, पानी, शौचालय की सफा सफाई मतदान केन्द्रों पर आवागमन के एप्रोच मार्ग को जरूरत अनुसार अभी से दुरुस्त कराएं। निर्वाचन कार्य में लगने वाले वाहन का आंकलन करें। राजस्व अधिकारी भूमि संबंधी विवाद के मुद्दे को गंभीरता से हल करें। पटवारियों पर नियंत्रण रखें। ऐसे कर्मचारी जिनकी पदस्थापना 3 साल से अधिक समय की हो चुकी है। उनका स्थान परिवर्तन कराएं।पीएम ग्रामीण सड़क में मिल रही शिकयतों का समाधान तुरंत करेंस्थल निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण कार्य कराएंडॉ रावत ने विभागीय समीक्षा में पीएम ग्रामीण सड़क को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि विभागीय गतिविधियों में मिल रही शिकायतों को दुरुस्त करें। लापरवाही न बरतें। निर्माण से जुड़ीं गतिविधियों को गति देने के लिए कॉन्ट्रेक्टर के साथ सतत् समीक्षा करते हुए निर्माणाधीन स्थल का मुआयना करें। कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान दें। उन्होंने सीएम जनसेवा अभियान की समीक्षा की। वर्षाकाल में संभावित एवं आपद की आशंका के चलत सभी एहतियाती प्रबंध करें। प्राकृतिक एवं आपदा की स्थिति के चलते प्रभावित व्यक्तियों को संवेदनशीलता से आरबीसी 6-4 के तहत तुरंत सहायता दें। कलेक्टर ने जिले की शालाओं में बनाए जा चुके 40 हजार जाति प्रमाण पत्रों सहित खुले बोरवेल्स को बंद कराने और मुंडेररहित कुंए पर आकस्मिक दुर्घटना के रोकथाम के लिए बनाए जा रहे मुंडेर की जानकारी दी।एडीएम नमः शिवाय अरजरिया ने पॉवर प्रजेंटेशन की प्रस्तुति से मतदाता सूची में नाम जोड़े जाने फॉर्म 6, 7, 8 एवं 9 में की गई गतिविधियों सहित विधानसभा क्षेत्रवार प्रस्तावित मतदान केन्द्रों, मतदाताओं और दो कि.मी. से अधिक 7 नए मतदान केन्द्र बनाए जाने की जानकारी दी।

कार्यालय तहसीलदार तहसील कोलार जिला भोपाल

कमांक Q / तह को / 2023 भोपाल दिनांक 30.06.2023

ग्रामः- बावड़ियाकलां

इश्तहार

एतद द्वार सूचित किया जाता है कि आवेदक सरोज पत्नी स्व. श्री श्याम बोरा निवासी मकान नंबर 28 आशियाना आगन ग्राम बावड़िया कलां भोपाल द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम बावड़िया कला स्थित खसरा क्रमांक 60/2/1 रकबा स्थित खसरा क्रमांक 0.1010 हे. में से 0.17 एकड़ त्यजन करना चाहता हूँ।

उक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई दिनांक 07.07.2023 को या पूर्व आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है ।

तहसीलदार
तहसील कोलार जिला भोपाल

अज़ीम प्रेमजी विवि द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान शृंखला में शिक्षाविद अनिल सम्बोधन

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान शृंखला में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध शिक्षक और चिन्तक अनिल के गुप्ता सम्बोधित करेंगे। श्री गुप्ता एक संवेदनशील, रचनात्मक और एक सहयोगी शिक्षक बनने की दिशा में विषय पर महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक साधन के रूप में साथियों, विद्यार्थियों, अपरिचितों और समुदाय के सदस्यों के साथ सहयोग के महत्त्व को रेखांकित करते हुए अपनी बात रखेंगे। चार दशक तक आईआईएम (ए) में पढ़ाने के बाद अनिल के गुप्ताअब वहाँ विजिटिंगफैकल्टी के सदस्य हैं। वह कई प्रमुख पहलों के संस्थापक भी रहे हैं, जिनमें द हनी बी नेटवर्क, नेशनल इनोवेशनफ़ाउण्डेशन और सोसाइटी फ़ॉररिसर्च एंडइनिशिएटिव्सफ़ॉरस स्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंडइंस्टीट्यूशंस शामिल हैं।

टीवीएस एक्सएल 100 हैवी ड्यूटी अब बहुत किफायती कीमत पर उपलब्ध

नई दिल्ली , एजेंसी। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की जानी-मानी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने लोगों की पसंदीदा टीवीएस एक्सएल 100 को बहुत किफायती और रोमांचकारी प्राइज रेंज में पेश किया है- टीवीएस एक्सएल 100 का किक स्टार्ट वेरिएंट अब मात्र 44,999 रुपए (एक्स-शोरूम) में मिलेगा। यह ऑफर ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पहचानने और उन्हें वाहन की सवारी का किफायती समाधान प्रदान करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता का सबूत है। टीवीएस मोटर कंपनी अपने ग्राहकों का कितना ख्याल रखती है, यह इस पहल से झलकता है। कंपनी भारतीय बाजार की जरूरतों को पूरा करते हुए किफायती मोबिलिटी समाधान बनाने का प्रयास करती रही है। टीवीएस एक्सएल 100 हैवी ड्यूटी 99.7 सीसी सिंगल-सिलेंडर फोर-स्ट्रोक इंजन से दौड़ेगी, जिसे बी एस -6 नियमों के पालन में कार्बोरेटेड से फ्यूल-इंजेक्टेड में अपडेट किया गया था। यह 6,000 आरपीएम पर 4.3बी एचपी और 3,500 आरपीएम पर 6.5 एनएम का उत्पादन करती है और सिंगल-स्पीड गियरबॉक्स वाली है। टीवीएस एक्सएल 100 ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस, बेहतरीन क्वॉलिटी और ईंधन की एक-एक बूंद के इस्तेमाल वाली दक्षता से पहचान बनाई है।

एलएंडटी फाइनेंस के ईएमआई प्रोटेक्ट प्लान ने अब तक 1.5 लाख से अधिक ग्राहकों को कवच प्रधान किया

मुंबई, एजेंसी। देश की लीडिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में शामिल एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने घोषणा की है कि कृषि लोन ग्राहकों के लिए चलाए जा रहे ईएमआई प्रोटेक्ट प्लान के तहत 1.5 लाख से ज्यादा ग्राहकों को कवच प्रधान किया जा चुका है. यह बाजार में अपनी तरह का एक अनोखा प्लान है।यह योजना कम से कम 4 दिनों के निरंतर अस्पताल में भर्ती होने पर लोन इंस्टॉलमेंट के लिए लंप सम यानी एकमुश्त पेमेंट की पेशकश करती है। ग्राहक पूरे लोन अवधि के दौरान हर साल एक बार इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के तहत अगर ग्राहक अस्पताल में भर्ती होता है, तो बीमा कंपनी द्वारा ग्राहक की ओर से सम एश्योर्ड (बीमा राशि की लिमिट तक) उसकी वर्तमान/भविष्य की ड्यू इंस्टॉलमेंट का भुगतान एलटीएफ को किया जाएगा।यह योजना 18 से 60 साल की उम्र के ग्राहकों के लिए पेश की जा सकती है और लोन अवधि के आधार पर पॉलिसी टर्म रेंज 2 से 5 साल के बीच होती है।

भारत अमेज़न से खरीदारी को प्राथमिकता देता है: सीएमआर सर्वेक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी टेक्नोलॉजी मार्केट रिसर्च और एडवाइजरी फर्म, साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के एक नए उपभोक्ता अध्ययन के अनुसार, टियर सेकंड शहरों और उससे बाद के शहरों में भारतीय एक सप्ताह में औसतन 2 घंटे और 25 मिनट ऑनलाइन शॉपिंग करने में बिताते हैं, और इस पर अपनी आय का लगभग 16 प्रतिशत खर्च करते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग के लिए शीर्ष तीन प्रेरक तत्वों में आकर्षक कीमतें (57 प्रतिशत), सुविधाजनक रिटर्न और एक्सचेंज प्रोसेस (57 प्रतिशत) सहित अनूठे ऑफर (49 प्रतिशत) शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, अमेज़ॅन सबसे ज्यादा (73 प्रतिशत) पसंद किया जाने वाला ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है, इसके बाद फ्लिपकार्ट (70 प्रतिशत), मीशो (30 प्रतिशत), (20 प्रतिशत) और अन्य हैं।

In First Phone Conversation After Aborted Coup, Russian NSA Briefs Doval About 'Latest Events'

New Delhi: After a short-lived mutiny by a private army of mercenaries last week, the Russian national security adviser N. Patrushev called up his Indian counterpart to talk to him about the "latest events".

The discussion also came after the visit of Prime Minister Narendra Modi to the US, which both sides have projected as a highly successful trip.

Till now, only the Russians have issued a readout on the phone conversation.

"The current issues of Russian-Indian cooperation in the field of security and the prospects for their deepening within the framework of bilateral and multilateral formats were discussed in detail. In addition, N. Patrushev informed A. Doval about the latest events in Russia," said the Russian statement.

It added that the two officials have "agreed to continue a confidential dialogue".

Last week, there were extraordinary scenes when the Wagner Group, an army of 25,000 fighters, took over a town and then started marching towards Moscow. They stopped about 200 kilometres away from the Russian capital, after the Belarusian President Alexander Lukashenko brokered a deal with the owner of Wagner group, Yevgeny Prigozhin, who was also a former close aide of Russian President Putin.

Prigozhin had claimed that he was not planning a coup against Putin, but to topple the defence minister Sergei Shoigu and the top military leadership. While Moscow has agreed not to frame charges against him, Pirogozhin went into exile in Belarus. The Wagner Group's contract that was ending on July 1 has also not been renewed, and they will not be fighting any longer in the Ukrainian war.

India has, so far, maintained a studied silence on the aborted coup.

With defence cooperation being one of the highlights of Modi's state visit to Washington, the Russian government has commented only about the Master Ship Repair Agreement signed between the US Navy and Larsen and Toubro (L&T) Shipbuilding Ltd that will allow US Navy ships to undergo major repairs at Indian shipyards.

In an interview to state-run Russian news agency TASS, Russian deputy foreign minister Sergey Ryabkov had said that he was "confident that our Indian partners, being quite experienced and well-versed in the intricacies of contemporary global politics, are fully away of the risks that all of this may entail".

Russia had been the largest source for defence equipment for India, but the proportion has come down considerably in the last decade.

TASS reported that Ryabkov said that Russia will continue to deepen its partnership, including defense ties, with India, "despite US chicanery".

Moscow and New Delhi have been developing a number of lucrative projects of interest to the Indian side, the senior Russian diplomat said.

A TASS reporter asked a question about the Master Ship Repair Agreement at the Chinese foreign ministry media briefing on Monday. The Chinese foreign ministry spokesperson didn't respond directly about the agreement, but hoped that "relevant countries will act in ways conducive to mutual trust between regional countries in the field of security and stability in the region".

Days after mutiny, Russian Security Council Secretary calls National Security Adviser Ajit Doval

NEW DELHI. In the first such New Delhi-Moscow contact since the failed mutiny in Russia, National Security Adviser Ajit Doval spoke to his counterpart Nikolai Patrushev, Secretary of Russia's Security Council, on June 29. They discussed the developments as well as bilateral and multilateral ties.

"The current issues of Russian-Indian cooperation in the field of security and the prospects for their deepening within the framework of bilateral and multilateral formats were discussed in detail," the council said.

"[Nikolai] Patrushev informed A. Doval about the latest events in Russia", it added, indicating that Mr. Doval was briefed about events since June 24, when the chief of the Wagner militia group Yevgeny Prigozhin took over a Russian town, and marched his forces towards Moscow before abruptly calling them off and fleeing to Belarus.

"The interlocutors agreed to continue a confidential dialogue," the council added in its statement. Mr. Patrushev and Mr. Doval have been in regular touch on security issues. Setting aside protocol, Prime Minister Narendra Modi met Mr. Patrushev during his visit to Delhi in March, while President Vladimir Putin had held talks with Mr. Doval in Moscow

The call by Mr. Patrushev was part of a number of conversations the Kremlin has had to brief allies and partners after the short-lived rebellion, and reassure them about the situation in Russia.

Over the past few days, Mr. Putin has spoken to Belarusian President Alexander Lukashenko, who played a role in mediating the climbdown by Mr. Prigozhin. He also spoke to Turkish President Recep Tayyip Erdogan, Central Asian leaders, including Kazakhstan President Kassym-Jomart Tokayev and Uzbekistan President Shavkat Mirziyoyev, and Saudi Arabia Crown Prince Mohammed Bin Salman. Foreign Minister Sergei Lavrov spoke to Iranian Foreign Minister Amir Abdollahian to brief him on the developments as well.

Mr. Patrushev's call to Mr. Doval comes a week ahead of the Shanghai Cooperation Organisation (SCO) Summit, which Mr. Modi will host virtually. Mr. Putin and leaders of China, Pakistan and Central Asian countries are expected to attend the summit. Iran is expected to be inducted as an SCO member during the summit.

In addition, Mr. Modi has invited Mr. Putin to attend the G-20 summit in Delhi on September 9 and 10.

Speaking about the "unique" strength of India-Russia ties on Wednesday, External Affairs Minister S. Jaishankar said ties had "been held steady" despite turbulence in the world.

He said that it was a mistake to "dumb down" the India-Russia relationship by speaking only of India's considerable defence dependencies on Russian military supplies, and pointed to the "geopolitical logic" of steady security cooperation and the growth in bilateral trade, which has been boosted by Indian oil imports from Russia.

यह गर्व की बात कि बानमोर का टायर विदेशों तक जा रहा: मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि यह गर्व की बात है कि बानमोर का टायर विदेशों तक जाकर विदेशी मुद्रा से देश को आर्थिक रूप से और मज़बूत बना रहा है। जेके टायर इंडस्ट्रीज़ के बानमोर प्लांट का ग्वालियर-चंबल संभाग सहित प्रदेश एवं देश के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केंद्रीय कृषि और किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ मुरैना के औद्योगिक क्षेत्र बानमोर में जेके टायर इंडस्ट्रीज के 312 करोड़ की लागत के मैन्यूफैक्चरिंग फेसिलिटी क्षमता विस्तार के प्रथम चरण का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आज मध्य प्रदेश विकसित राज्यों की पंक्ति में अग्रणी राज्य है, हमारी औद्योगिक विकास दर लगातार 24 प्रतिशत बनी हुई है ।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल नीति, आवश्यक इंफ्रा-स्ट्रक्चर एवं सुरक्षित वातावरण करवाने से प्रदेश देश में उद्योगों के निवेश का केंद्र बिंदु बना हुआ है। ग्लोबल इंवेस्टर समिट में 15 लाख करोड़ से अधिक के औद्योगिक निवेश के अनुबंध हुए, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न उद्योगों का नियमित निवेश प्रदेश में आ रहा है और नवीन रोज़गार का सृजन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट एवं रोज़गार में वृद्धि के हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना प्रारंभ की जा रही है। योजना में युवाओं को विभिन्न उद्योगों में ट्रेनिंग दी जायेगी, विभिन्न ट्रेडों के दौरान उन्हें पात्रतानुसार 8 से 10 हज़ार रुपये का स्टायपेंड भी प्रदान किया जायेगा।

केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश एवं देश के विकास में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उद्योगों से नवीन रोज़गार का सृजन होता है,कराधान बढ़ता है जो प्रदेश और देश को आर्थिक रूप से मज़बूत करता है। जेके टायर इंडस्ट्रीज ने ग्वालियर-चंबल संभाग के आर्थिक विकास एवं बड़ी संख्या में रोज़गार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

NSE-BSE showed maturity in reverting Bank Nifty expiry decision: Sebi's Madhabi Buch

MONEYCONTROL NEWS

She added that SEBI will be announcing half a dozen small steps as well to mitigate the concerns of the market.

She added that SEBI will be announcing half a dozen small steps as well to mitigate the concerns of the market.

Securities and Exchange Board of India (Sebi) Chairperson Madhabi Puri Buch, on June 28, though not explicitly but indicated that the regulator might have played a role in NSE's reversal of decision on shifting its Bank Nifty's expiry day to Friday.

Earlier in the week, NSE relented to BSE's request to not shift the expiry of Bank Nifty contracts to Friday, which would have clashed with recently relaunched Bankex and Sensex futures and options contracts, leading to stifling their growth.

"In our view that's actually a very mature and a sensible approach because at the end of the day what benefits everybody and the entire ecosystem is diversification of risk," said Buch.

Buch mentioned that if the market is concentrated to a single entity, referring to near monopoly that NSE enjoys in F&O segment, if some incident such as a cyber attack happens, it may lead to a loss for investors.

नवम आकलन

2023 के अंत में हो रहे मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में जनता की सरकार ! किस झंडे तले ?

राजीव खण्डेलवाल

वर्ष 2023 में होने वाले मध्य-प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम का आकलन आरंभ किए हुए साढ़े चार महीने व्यतीत हो चुके हैं। राजनैतिक परिस्थितियां तेजी से बदलती रहकर कुछ-कुछ दिशा लेने लगी हैं। यद्यपि अभी तक अन्य पार्टियों की विशेष हलचल चुनावी दृष्टि से दिखाई नहीं दे रही है। ''आप'' पार्टी की स्थिति भी अभी तक अस्पष्ट है। ''आप पार्टी'' के सौरभ भारद्वाज का यह कथन वह मध्य-प्रदेश में चुनाव नहीं लड़ेगी यदि कांग्रेस? यह फिलहाल एक संकेत मात्र ही है, अथवा शिगूफा इससे ज्यादा कुछ नहीं?

अभी हाल ही में ग्वालियर क्षेत्र से भाजपा के पूर्व संभागीय मीडिया प्रभारी सुबोध दुबे और किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतेंद्र सिंह गुर्जर ने साथ ही खंडवा जिले की मांधाता विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त नरेंद्र सिंह तोमर ने भाजपा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। यद्यपि फिलहाल दल-बदल की प्रक्रिया कुछ धीमी पड़ गई है। प्रधानमंत्री के 6 दिवसीय विदेशी दौरे पर पूरे मीडिया व राजनैतिक दलों का फोकस (केंद्र) होने के कारण प्रदेश की राजनैतिक हलचल में कोई खास बदलाव पिछले 15 दिनों में देखने को नहीं मिला है।

नौकरी से इस्तीफा देने वाली डिप्टी कलेक्टर (उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं हुआ है) श्रीमती निशा बांगरे का बैतूल के आमला विधानसभा में अंतर्राष्ट्रीय सर्वधर्म सद्भाव सम्मेलन व गृह प्रवेश, शासन-प्रशासन की प्रारंभिक अड़चन व रोक-टोक के कारण प्रदेश की मीडिया में व राजनैतिक क्षेत्रों में छाया रहा। बावजूद इसके कार्यक्रम काफी सफल रहा है। बैतूल जिले की राजनीति पर इसका प्रभाव पड़ना अवश्यंभावी है। राजनैतिक गलियों में निशा बांगरे के कांग्रेस टिकट पर आमला से लड़ने की चर्चा जोरों पर है। परन्तु मेरी नजर में वे दो नावों में एक साथ दौड़ रही हैं। यद्यपि इसका फायदा जमीनी कार्यकर्ताओं के स्तर पर चुनाव लड़ने की स्थिति में तो जरूर मिल सकता है। परंतु किसी भी पार्टी की टिकट मिलने में उनकी यह कलाकारी कहीं आड़े न जाए। कार्यक्रम में जिस तरह की प्रारंभिक स्तर पर रूकावटें पैदा की गई हो सकता है, उस कारण उनका भाजपा से मोह भंग हो गया हो। तथापि कार्यक्रम के बाद होने वाली नोटिस की कानूनी प्रक्रिया भी भाजपा के प्रति उनके रूख को कुछ जरूर दिशा दे सकती है। कहा जाता है ''दूध का जला छाछ को भी फूंक-फूंक कर कदम उठाता है''। याद कीजिए! 2014 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पूर्व सेवानिवृत्त नौकरशाह डॉ. भागीरथ प्रसाद को भिंड से टिकट दिया था, उन्होंने अंतिम क्षण में ठुकरा कर भाजपा की टिकट से चुनाव लड़कर विजयी हुए थे। निशा बांगरे ने महत्वपूर्ण गलती यह की कि उक्त कार्यक्रम के दो दिन पूर्व ही मुलताई में संघ कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में उन्होंने भाग लिया था, जिसका समाचार मीडिया में आया था। जातिगत समीकरण भी निशा बांगरे की टिकट तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। आमला के विधानसभा कांग्रेस के सशक्त दावेदार मनोज मालवे जो पिछला चुनाव लड़ चुके है, अपनी दावेदारी को सुरक्षित बनाये रखने के लिए उक्त घटना का संज्ञान कमलनाथ के पास तो जरूर ले ही जाएंगे?

आज ही प्रधानमंत्री का भोपाल आगमन हुआ। इसे भाजपा का आगामी हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल शुरू करने की शुरुआत भी कह सकते है। ठीक उसी प्रकार जैसे प्रियंका गांधी ने पिछले दिनों जबलपुर आकर चुनावी बिगुल की शंखनाद की थी। प्रधानमंत्री ने लगभग 10 लाख बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ''मेरा बूथ मजबूत बूथ'' वी.सी के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने पहली बार सार्वजनिक मंच से कॉमन सिविल कोड (यूसीसी) पर कार्यकर्ता को जनता के बीच जाने की सलाह तथा वंचित ''पसमांदा'' मुसलमानों को इस पर विचार करने का अनुरोध, साथ ही एक घर एक परिवार में दो कानून नहीं चलेगा का नया नारा, अल्पसंख्यक वोटों पर चुनावी दृष्टि से क्या प्रभाव डालेगा, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

अतः स्थिति वही पर फिलहाल टिकी हुई है। यद्यपि तीन दिन पूर्व एक सर्वे सोशल मीडिया पर आया है, जिसमें कांग्रेस को काफी बढ़त दिखाई गई है। अभी-अभी शाम को ''एबीपी सी वोटर'' की सर्वे रिपोर्ट में भी फिर कांग्रेस को आगे बताया गया हैं। तथापि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की दिन-प्रतिदिन नई-नई लुभावनी लोकहित की घोषणाएं जो उन्हें अभी भी ''घोषणावीर'' बनाई हुई है, कितना इन सर्वों को सामना (काउंटर) कर पाएगी, यह देखना भी कम दिलचस्प नहीं होगा।

(लेखक वरिष्ठ कर सलाहकार एवं पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

भारतीय मूल के अरबपति ने खरीदा 1649 करोड़ का घर, इतना बड़ा है साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मूल के अरबपति पंकज ओसवाल और उनकी पत्नी राधिका ओसवाल ने स्विट्जरलैंड में एक घर खरीदा है। यह दुनिया के सबसे महंगे घरों में से एक है। इसकी कीमत 200 मिलियन (1,649 करोड़ रुपये) है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओसवाल दंपति ने बेटियों वसुंधरा और रिद्धी के नाम पर विला वारी नाम का यह आलीशान घर खरीदा है।

यह प्रॉपर्टी स्विस गांव गिंगिन्स में वॉड के कैंटन में स्थित है। इस वारी विला को दुनिया के शीर्ष 10 सबसे महंगे घरों में से एक माना जाता है। यह शानदार संपत्ति पहले ग्रीक शिपिंग मैग्नेट अरस्तू ओनासिस की बेटी के पास थी। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जाने-माने इंटीरियर डिजाइनर जेफरी विल्केस ने ओसवाल की इच्छानुसार विला को बदल दिया है।

अरबपति ओसवाल दंपति पंकज और राधिका ऑस्ट्रेलिया से आने के बाद पिछले दस साल से अपनी दो बेटियों वसुंधरा और रिद्धी के साथ स्विट्जरलैंड में रह रहे हैं। परिवार के पास महलनुमा हवेली के अलावा एक निजी जेट, नौका, स्पोर्ट्स कार (बेंटले, लेम्बोर्गिनी) और दुनिया भर में शानदार घर हैं।

बता दें कि पंकज ओसवाल ओसवाल एग्रो मिल्स और ओसवाल ग्रीनटेक के संस्थापक दिवंगत अभय कुमार ओसवाल के बेटे हैं। वह खुद एक उद्योगपति हैं। साल 2016 में अपने पिता के निधन के बाद पंकज ओसवाल ने ओसवाल ग्रुप ग्लोबल की कमान संभाली, जिसमें पेट्रोकेमिकल्स, रियल एस्टेट, उर्वरक और खनन में विविध व्यावसायिक हित शामिल हैं।

निशुल्क राशन की पात्रता पर्ची वितरित

अमरवाड़ा। नगरपालिका राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी, राजस्व सभापति आरिफ शाह , जल कार्य विभाग सभापति विनोद साहू एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश संतु साहू, पार्षद राजेश अहिरवार मुख्य नगरपालिका अधिकारी रोशन सिंह बाथम की उपस्थिति में संपन्न हुई ,जिसमें दुकान किराया वसूली, जलकर वसूली की समीक्षा की गई , साथ ही भवन निर्माण अनुज्ञा के प्रकरणों की भी जांच की गइ। बैठक के उपरांत विभिन्न वार्ड के हितग्राहियों को निशुल्क राशन की पात्रता पर्ची नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षदों द्वारा वितरित की गई।

कु, अभिलाषा डोके का जबाहर नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

छिंदवाडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में न्यू डिसेंट पब्लिक स्कूल पटपड़ा की छात्रा कुमारी अभिलाषा डोके, पिता राकेश डोके निवासी ग्राम पटपड़ा का चयन जवाहर नवोदय सिगोंड़ी कक्षा 6 वी मे हुआ है छात्र की सफलता पर शाला संचालक डी पी मालवीय ने छात्रा के उज्जवल भविष्य वं सफलता के लिये शुभकामनाएं प्रेषित की एवं छात्रा ने इस सफलता का श्रेय शाला प्रभारी शिक्षिका कुमारी पूर्णिमा उईके, शिक्षक ईश्वर मरकाम,व समस्त शिक्षक शिक्षिका व अपने माता-पिता को दी है।

दलित नेता चन्द्रशेखर आजाद पर हमले को लेकर आक्रोष रैली 1 जुलाई को

छिन्दवाड़ा। भीम आर्मी चीफ शोषित बांछित समाज की पूरे देश में गरीबों, शोषण, अन्याय, अत्याचार के खिलाफ लड़ने वाले दलित नेता चन्द्रशेखर आजाद (रावण) पर उत्तरप्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद इलाके में अज्ञात लोगों के द्वारा जान से मारने की नियत से जानलेवा हमला किया गया है, जिसके विरोध में छिन्दवाड़ा जयभीम सेना, ओ.बी.सी.महासभा, जी.एस.यू. संगठन एवं समस्त सामाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 1 जुलाई दिन शनिवार को दोपहर 12 बजे आम्बेडकर तिराहा से आक्रोश रैली के माध्यम से कलेक्ट्रेट पहुँचकर महामहिम राष्ट्रप्रति एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा । भीम सेना प्रमुख शिवम पहाड़े ने समस्त समाज एवं सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

इतवारी बाजार दुकानों का किया निरीक्षण

छिदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह के निर्देश पर इतवारी बाजार की दुकानों का प्राथमिक निरीक्षण किया गया। निगम के सहायक यंत्री विवेक चौहान एवं उपयंत्री राजवीर सिंह द्वारा संयुक्त जांच में दुकानों के स्थिति को देखा।

बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री की श्रीरामकथा तैयारी में जुटे भक्त

पांढुर्ना या सिमरिया हनुमान मंदिर परिसर में होगी कथा

छिंदवाड़ा। जिले में बागेश्वर बालाजी के आगमन को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो गई है। उनके आगमन को लेकर बैठकों का दौर भी चल रहा है बागेश्वर बालाजी वाले पंडित धीरेन्द्र शास्त्री पांढुर्ना या सिमरिया के हनुमान मंदिर परिसर में राम कथा करेंगे। साथ ही उनके दिव्य दरबार लगने की संभावना जताई जा रही है। बागेश्वर बालाजी वाले पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी को लेकर जहां कांग्रेस में उत्साह है वहीं भाजपा नई रणनीति की तैयारी कर रही है। बताया जाता है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आग्रह पर वे यहां आ रहे हैं। और उनकी कथा सिमरिया हनुमान मंदिर परिसर में होने की संभावना है। वहीं कुछ धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि पांढुर्ना के ग्राम नांदनवाड़ी में 23 से 25 सितंबर को बागेश्वर सरकार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी महाराज की वनवासी श्रीराम कथा करेंगे। इसी को लेकर कार्यक्रम के संयोजक मजिस्ट्रेट प्रकाश उईके के नेतृत्व में मां हिंगलाज मंदिर परिसर में गुरूवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुजारी संघ के पदाधिकारी और जिले भर से उनके भक्त शामिल हुए बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्था, भंडारा, सेवादार सहित शिष्टमंडल आदि को लेकर समीति का गठन किया गया जिनके द्वारा आगामी दिनों में होने वाली बागेश्वर सरकार की कथा के दौरान कथा स्थल पर पहुंचकर अपनी सेवाएं दी जाएगी बैठक में कार्यक्रम के संयोजक मजिस्ट्रेट प्रकाश उईके सहित संत पुजारी संघ के अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी, मनीष तिवारी महाकौशल प्रभारी, जिला प्रभारी राजेश द्विवेदी, नंदकिशोर शर्मा सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित थे। वहीं कहा जा रहा है कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ के इस आग्रह को इसलिए भी स्वीकार किया है क्योंकि एक सौ फिट की हनुमान जी की प्रतिमा बनवाए जाने से उन्हें हनुमान भक्त के रूप में पहचाना जा रहा है खबर है कि इस बात की पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने तारीफ भी की है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ सिमरिया में समय समय पर उपस्थित होकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करते हैं बहरहाल देश प्रदेश में सबसे ज्यादा चर्चित पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी के सिमरिया आने को लेकर तरह तरह की चर्चाएं चल रही है और उनसे मिलने वाले लगातार कांग्रेस नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। पूर्व में पंडित शास्त्री जी पांढुर्ना या फिर तामिया के आसपास आ रहे थे हालाकि ये कार्यक्रम भी फाइनल बताया जा रहा है लेकिन सिमरिया के कार्यक्रम को उनके द्वारा हरी झडी देने के संकेत से चर्चाओं का बाजार गर्म है कि पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी की रामकथा का स्थल आखिर कहां होगा।

विट्ठल विट्ठल के जयघोष से गूंजा शहर

दिंडी यात्रा में उमड़ा भक्तो का सैलाब

छिंदवाड़ा। समग्र मराठी समाज, संत गजानन गुणगान मंडल, सचिदानंद सेवा समिति के द्वारा धर्म नगरी छिंदवाड़ा में आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर आयोजित दिंडी यात्रा में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा।दिंडी यात्रा के संयोजक आनंद बक्षी ने बताया कि दिंडी यात्रा का अभूतपूर्व उत्साह देखते की बनता था। प्रात: ग्यारह बजे से शहर के विभिन्न भागों, ग्रामीण क्षेत्रो से वारकरी सम्प्रदाय के भक्त विट्ठल विट्ठल का जयघोष करते हुए तथा बड़ी शंख्या में मात्र शक्ति पखावज और मंजीरे की धुन पर सैकड़ो की संख्या में हरी कीर्तन करते हुए दिंडी में सम्मिलित हुई।विवेकानंद कॉलोनी में जगह जगह स्वागत द्वार, रंगोली, दीप सजाये गए तथा निनाद ललित कला समिति द्वारा धर्म गुरुओ का सम्मान किया गया। मुख्य कार्यक्रम में महामंडलेश्वर दादू महाराज, महामंडलेश्वर डॉक्टर वैभव अलोनी , ह.ब.प चिंतामन गुरवे का भावभीना स्वागत विश्वनाथ ओक्टे , कांता योगेश सदारंग , रमेश पॉफली द्वारा किया गया। रामनाथ ओक्टे, जयदेव राउत, बालाजी राउत ने संतो का शाल श्रीफल से सम्मान किया। महामंडलेश्वर दादू महाराज ने श्रीमद भागवत गीता पर दिए गए संभोदन में अंदर बैठे परमात्मा को पहचानने एवं उसकी आराधना करने का मार्ग बताया एवं बच्चो, महिलाएं एवम व्यक्तियों को संस्कारित होने की प्रेरणा दी। ह.भ.प चिंतामन गुरवे ने पंढरपुर की उत्पत्ति, पुण्यसलिला चंद्रभागा नदी के महात्म को बताया। भक्त पुंडलिक की भक्ति द्वारा भगवान को प्रसन्न करने के प्रसंग को सुनाया एवं वारकरी सम्प्रदाय की विशेषताओ पर प्रकाश डाला। विश्वनाथ ओक्टे ने दिंडी यात्रा के आयोजन की महत्ता को प्रतिपादित किया। श्री गजानन गुणगान मंडल के अध्यक्ष कृष्णा मंगरूलकर ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में चंद्रभान देवरे, पप्पू यादव, गजेंद्र बारस्कर, श्रीमती सरिता चिंटू काले , हंसा अम्बर दाढ़े, चंद्रभान ठाकरे, गजेंद्र स्वामी बालू, सुभाष पाठक, प्रभाकर भूसानकर, विवेक पोफली, सौ. मंदा ताई चारपे, सौ. अंजली पाठक, सौ. रीना सोनी, पंकज मोझरकर, अजाबराव सातपुते, विवेक जावड़ेकर , शीतल मालवी, इनोद काम्बले, शरद जामठे सहित विभिन्न समाजो के जिला अध्यक्ष एवं महिला पदाधिकारी उपस्थित रहे। गुरैया,सर्रा ,लिंगा,उभेगाव,लोनिया-जैतपुर, गोंदरा, सेमाढाना, बरारीपुरा, कोलाढाना, वार्ड नं.41, पंडिपुरा जनपद क्षेत्र स्टेशन नई आबादी, चन्दनगाव नोनिया कर्बल, पुराना छापाखाना आदि अनेक क्षेत्रों से हरि कीर्तन करता हुआ भक्तो का समूह बड़ी संख्या में दिंडीयो में उपस्थित रहा।

चिकित्सा समस्या को लेकर भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ मिला प्रभारी मंत्री से

समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु मिला आश्वासन

जुन्नारदेव। आदिवासी विकासखंड मुख्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के व्यापारी प्रकोष्ठ का एक प्रतिनिधिमंडल गत दिवस भोपाल में जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल से मिला। इस प्रतिनिधि मंडल के द्वारा क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं के संदर्भ में गत दिनों जिला स्वास्थ्य अधिकारी के नाम सौपे गए ज्ञापन पर भी चर्चा की गई। जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल से भाजपा के व्यपारी प्रकोष्ठ की हुई इस भेंट के दौरान क्षेत्र में शिशु रोगतज्ञ एवं महिला रोग तज्ञ जैसे चिकित्सक के लंबे समय पदस्थ ना होने से पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त प्रमुख मांगों में ड्रष्ट की स्थापना, श्वष्टत्र ऑपरेटर की स्थाई नियुक्ति, अस्पताल में मशीनों का अभाव, ब्लड बैंक की स्थापना, एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था का ना होना, हॉस्पिटल के आवागमन के मार्ग का जीर्णोद्धार, अस्पताल भवन के समक्ष पर्याप्त विद्युत व प्रकाश व्यवस्था का बनाया जाना, वाहन पार्किंग का निश्चित स्थान बनाना, इसके अतिरिक्त अस्पताल सहित परिसर में स्वच्छता की समस्या का निराकरण किया जाना प्रमुख है। इस प्रतिनिधि मंडल में भाजपा की जिला व्यापारी प्रकोष्ठ के सहसंयोजक मनीष (बंटी) साहू, भाजपा नेता शरद सोनी, अमन सोनी, डॉ दीपक सोनी एवं प्रखर मिश्रा सहित अन्यजन मौजूद थे।

पुलिस कर्मियों की कार और बाइक सवार की हुई टक्कर

बाइक सवार गंभीर रूप से घायल, अनियंत्रित होकर पलटी कार हुई चकनाचूर

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत/बाईपास/ छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग में जेल चौराहा के पास बाइक सवार को कार के चालक ने लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाते हुए बाइक चालक कोजबरदस्त रूप से टक्कर मार दी ,बाइक सवार धड़ाम से गिर गया जिसे उसके सिरएवं हाथ पैरों में जबरदस्त चोट आई है इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर पलट गई जानकारी के अनुसार कार क्रमांक एमपी 28 ष्ट्क1351 क्रेटा कार जिसमें दो पुलिसकर्मी छिंदवाड़ा से सागर जा रहे थे एनएच 547अमरवाड़ा बाईपास में बाइक क्रमांक एमपी 28ृ9962 के चालक अजय वर्मा और कार की जबरदस्त भिड़ंत हो गई ,जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया और कार अनियंत्रित होकर हवा में उड़ती हुई पलट गई, जिसमें सवार दोनों पुलिसकर्मी को चोट आई है ,मौके पर घटना की जानकारी मिलते ही नगर निरीक्षक मोहन सिंह मार्सकोले दल बल के साथ पहुंचे और घायल व्यक्तियों को तत्काल अमरवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी बड़े जोर से आवाज आई लोगों ने दौड़कर घायल अजय वर्मा को उठाया बताया जाता है कि क्रेटा कार मैं एयर बैग लगे होने के कारण कार में सवार लोगों को कोई विशेष चोट नहीं आई है घायल अजय वर्मा सिविल अस्पताल अमरवाड़ा में इलाज कराने भर्ती किया गया है।

नरेन्द्र अग्रवाल संभाग के और विकास वात्सल्य जिला के प्रभारी मनोनीत

वैश्य महासम्मेलन की युवा ईकाई में नई पदस्थापनाएं

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता, प्रदेश युवा इकाई अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता प्रिंस एवं प्रदेश महामंत्री विजय झांझरी की सहमति से छिंदवाड़ा जिला युवा ईकाई के प्रभारी नरेन्द्र अग्रवाल बबलू को बालाघाट संभाग, जिसमें छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट जिले आते हैं, का संभागीय प्रभारी और छिंदवाड़ा जिले की युवा ईकाई के प्रभारी के रूप में विकास वात्सल्य को मनोनीत किया गया है। नरेंद्र अग्रवाल और विकास वात्सल्य के मनोनयन पर छिंदवाड़ा जिला इकाई अध्यक्ष रमेश जाखोटिया ने हर्ष व्यक्त किया है और बधाई दी है। कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नेमा ने बताया कि नरेंद्र अग्रवाल और विकास वात्सल्य वैश्य महासम्मेलन के एक कर्मठ और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उनके नेतृत्व में संगठन की युवाशक्ति नए उत्साह के साथ संगठनात्मक उद्देश्यों और एकता के लिए कार्य करेगी और सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएगी। जिला प्रभारी प्रभुनारायण नेमा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीरज भारद्वाज, प्रशांत सोनी, दिलीप पाटनी, महिला पदाधिकारी किरण सोनी, सुधा सोनी, युवा इकाई अध्यक्ष धर्मेंद्र साहू, अनिल सिंघई, अजयराज जैन रानू आदि सदस्यों ने बधाई एवं शुभ कामनाएं प्रेषित की हैं ।

इदुल अजहा का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया

छिंदवाड़ा/ अमरवाड़ा। हर साल के मुताबिक इस साल भी शहर में आपसी भाईचारे और त्याग बलिदान के पर्व ईद उल जुहा का त्योहार अकीदत के साथ मनाया गया प्रात: ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई एवं शहर मुल्क और पूरे आलम के लिए सुख समृद्धि अमन चैन और हिफाजत की दुआ की गई दुआ के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी इस मौके पर नगर पालिका द्वारा आयोजित ईद मिलन समारोह में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी मुस्लिम बंधुओं को ईद की मुबारकबाद दी ईद की नमाज के बाद सभी मुस्लिम बंधुओं ने कब्रिस्तान पहुंचकर अपने मरहूम के हक में दुआ ए मगफिरत की अपने घरों में कुर्बानी के बाद दिनभर दावतों का और मुबारकबाद का सिलसिला चलता रहा इस दौरान लोगों ने गरीबों और मिस्कीनों को सदका फितरा के जरिए मदद भी की पर्व के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाएं उत्तम रही आसपास के क्षेत्रों से भी ईद के पर्व को हर्षोल्लास एवं शांति पूर्वक मनाई जाने के समाचार प्राप्त हुए हैं।

पूर्व विधायक ने घायल युवक को पहुंचाया अस्पताल

परासिया। पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया परासिया विधानसभा क्षेत्र की जनता के सच्चे प्रतिनिधि बनकर सामने आए हैं। फिर चाहे वह विधायक रहे हो या नहीं। उनकी कर्मठता और जनता के प्रति सहानुभूति उन्हें निरंतर सक्रिय रखती है, उनके विरोधी भी इस बात को स्वीकार करते हैं की सक्रियता में उनका कोई मुकाबला नहीं है। जिसका ताजा उदाहरण कुछ दिनों पहले अंबाडा में देखने को आया जब एक युवक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गया, पीछे से बाबरिया का वाहन आ रहा था, उन्होंने तत्काल मामले को समझा और घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। ऐसे कई मामले हुए हैं जिस पर ताराचंद बावरिया ने हताहत हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाने का और मदद देने का काम किया है। इसके अलावा किसी के घर में खुशी का माहौल हो या कोई गम की बात हो तो वह जरूर पहुंचते हैं। साथ ही जनता के निरंतर संपर्क में रहना उनकी आदत है। कहा जा रहा है कि उन्हें पार्टी दोबारा टिकिट दे

अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला 3 माह का वेतन

अमरवाड़ा । विधानसभा में अमरवाड़ा पौनार संकुल के अतिथि शिक्षकों को 3 माह का वेतन नहीं मिला है जिसकी वजह से अतिथि शिक्षक काफी परेशान हैं और उन्हें आजीविका चलाने में काफी परेशानी हो रही है अतिथि शिक्षकों ने बताया कि फरवरी-मार्च अप्रैल माह का वेतन नहीं मिला है जब भी संबंधित अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो उनके द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता है जिसकी वजह से हमें काफी दिक्कतें हो रही हैं अब नया सत्र प्रारंभ हो गया है लेकिन अभी तक हमारी नियुक्ति नहीं की गई है ना ही शासन-प्रशासन हमें परमानेंट कर रहा है जिसकी वजह से भी अतिथि शिक्षक चिंतित नजर आ रहे हैं ।

उरधन नेहरिया सड़क पर फंसा डंपर, लगा लंबा जाम

परासिया। उरधन और नेहरिया कोयला खदान की सड़क वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन रही है। सडक को खोदकर बनाया जा रहा है। बारिष में सडक की मिट्टी में डंपर फंस गया। इससे लंबा जाम लग गया। कोयले का परिवहन प्रभावित हुआ। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में नई सडक का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी ने पुरानी सड़क को उखाड़कर नई सड़क का काम प्रारंभ किया है। दो दिनों की बारिश से सडक में जगह जगह पानी भर गया है। भारी वजन लेकर चलने वाले डंपर ओर ट्रक इस दलदल बनी सडक में फंस रहे है। आज पहले एक डंपर फंसा। जिससे यातायात प्रभावित हुआ। इसके पीछे एक और डंपर फंस गया। इससे ट्रकों की कतार लग गई। लंबे समय तक जाम की स्थिति रही और कोयला प्ररिवहन प्रभावित हुआ। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में सड़क का काम किया जा रहा है। इसके लिए गर्मियों में पुरानी सड़क को खोद दिया गया था। लेकिन काम प्रारंभ नहीं किया गया। समय रहते बेस डल जाता तो वाहन बारिश में नहीं फंसते।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 02 में पंखा एवं ट्यूबलाइट की भेंट

परासिया। रावनवाड़ में समर्थन अभियान के अंतर्गत संपर्क अभियान में रावणवाड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में पंखा एवं टू लाइट की आवश्यकता होने पर श्रीमती ज्योति डेहरिया जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर पंखा एवं ट्यूबलाइट भेंट की गई एवं सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की गई कि वह भी अपने अपने निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र में आवश्यकतानुसार सहयोग करें ज्योति डेहरिया की इस पहल का सभी ने स्वागत किया इस कार्यक्रम में रावणवाड़ा की मात्र शक्तियां उपस्थित रही।

हेरिटेज वॉक से जाना राधा देवी की गुफाओं का राज

राधादेवी की गुफाओं तक पहुंचे बाय एच आई के ट्रेकर्स

छिंदवाड़ा। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया राज्य शाखा मध्य प्रदेश के गोल्डन जुबली वर्ष के अंतर्गत यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया सतपुड़ा इकाई छिंदवाड़ा के तत्वधान में हेरिटेज वॉक का आयोजन राधा देवी की गुफाओं में यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सतपुड़ा यूनिट के संरक्षक एस एस सालोटकर , संथा अध्यक्ष डाक्टर राजेंद्र मिश्रा एवं चेयरमैन विनोद तिवारी,पूर्व चेयरमैन प्रदीप वाल्मीकि ,सचिव हिमांशु जायसवाल मार्गदर्शन में किया गया। छिंदवाड़ा से 61 किलोमीटर दूर स्थित राधा देवी प्राकृतिक गुफा के भ्रमण के रूप में किया गया जिसमें छिंदवाड़ा जिले से 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ट्रेक की शुरआत संता के पदाधिकारीयो द्वारा हरी झंडी दिखाकर विदा किया गया। ट्रैकिंग ग्रुप में सबसे युवा ट्रैकर के रूप में कबीर जैन 11 वर्ष एवं सबसे अनुभवी ट्रैकर के रूप में 82 वर्षीय श्रीमती सरोज बेरी अरोरा जी शामिल रहीं। संस्था के संरक्षक एस.एस.सलोडकर के कुशल मार्ग निर्देशन में तथा संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा चेयरमैन विनोद तिवारी, सचिव हिमांशु जायसवाल,उपाध्यक्ष अरविंद भट्ट एवं संस्था के सक्रिय सदस्य डॉ गौरव अरोड़ा के सहयोग से सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। टेकिंग का नेतृत्व इकाई सचिव हिमांशु जायसवाल के द्वारा करते हुए सभी को टेकिंग के रूल्स रेगुलेशन से परिचित करवाया । इस ट्रैकिंग कार्यक्रम में जिले के प्रसिद्ध ड्रोन फोटोग्राफर मोहित सूर्यवंशी का भी बहुमूल्य योगदान रहा ।

अष्टान्हिका महापर्व पर...

जैन समाज ने शांति पाठ कर विश्व शांति की भावना प्रगट की

छिन्दवाड़ा - आत्म शुद्धि एवं धर्माराधना सहित विश्व शांति के साथ सर्वोदय अहिंसा की मंगल भावना को लेकर सकल जैन समाज के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनवाणी तत्वरसिक जिनशासन सेवक अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ जिनालय में आषाढ़ शुक्ल अष्टमी से जैनदर्शन के अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका की मंगल आराधना करते हुए श्री समयसार महामण्डल विधान के माध्यम से ज्ञायक भगवान आत्मा की महिमा जानकर उसका गुणगान कर रहे हैं।फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि आषाढ़ शुक्ल ग्यारस के शुभ दिन प्रात:काल की मंगल बेला पर बड़ी संख्या में श्रावक - श्राविकाओं ने शांति जाप कर महामंत्र श्री णमोकार का पाठ करते हुए विश्व शांति की मंगल भावना प्रगट की। इस अवसर पर सभी ने मिलकर श्री जिनेन्द्र पूजन, नन्दीश्वर दीप पूजन कर डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल द्वारा रचित श्री समयसार महामण्डल विधान के माध्यम से आत्मा से परमात्मा बनने का मार्ग जाना।विधान के दौरान हिम्मतनगर ने पधारे प्रतिष्ठाचार्य पं. रजनीभाई दोशी ने आतम, आतम, आतम, आतम ही है परमात्म मंगलगान से उपस्थित जन समुदाय को सत्संग कराकर शुद्धात्मा के गीत गाये साथ ही उसके आश्रय से ही सुख की प्राप्ति होगी यह मार्मिक व्याख्यान दिया।इस अवसर पर विधानाचार्य पं. अशोककुमार जैन उज्जैन द्वारा जिनशासन के सुंदर सुंदर मंगलगान के साथ ग्रँथराज श्री समयसार की एक एक गाथा का वर्णन कर जयमाला के माध्यम से उसका स्वरूप समझाया। रात्रि कालीन प्रवचन की श्रंखला में ग्रँथराज मोक्षमार्ग प्रकाशक के नवमें अधिकार के आधार पर पं. रजनीभाई दोशी ने हेय - ज्ञेय - उपादेय का स्वरूप समझाकर बताया कि बाह्य सयोंग सुख - दुख का कारण अपितु अज्ञान एवं मोह ही दुख का कारण है। अज्ञान अवस्था मे राग भाव के कारण जीव बाह्य पदार्थों इष्ट अनिष्ट की कल्पना करता है ओर कल्पना में ही सुख दुख मानता है। वास्तव में भेदज्ञान पूर्वक आत्मा को जानना ही सुख का कारण है और वही मनुष्य भव अर्थात जन्म की सार्थकता है।

राजस्थान का क़िला फ़तह करने मोदी ने दी अमित शाह को जिम्मेदारी

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित पश्चिम राजस्थान विशेष कर जोधपुर की यात्रा से पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उदयपुर यात्रा को लेकर दिल्ली से उदयपुर तक व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। वैसे से तो इस यात्रा को प्रधानमंत्री मोदी के नौ वर्षों की उपलब्धियों का प्रचार किया जाना बताया जा रहा है लेकिन हकीकत में मोदी के चाणक्य की यात्रा को रणनीतिक रूप से मेवाड़ और वागड़ के गढ़ों को साधना बताया जा रहा है।

इस यात्रा के सम्बन्ध में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा करने प्रदेश पार्टी अध्यक्ष सी पी जोशी भी दिल्ली आए थे। उनकी उस यात्रा को गोपनीय रखा गया था।

अमित शाह की उदयपुर यात्रा का मुख्य मक़सद उदयपुर संभाग की 28 सीटों को साधना है। पार्टी के क़द्दावर नेता गुलाब चंद कटारियाँ के असम का राज्यपाल बन कर सक्रिय राजनीति से अलग हों जाने से मेवाड़ और वागड़ को साधना पार्टी के लिए आसान नही राज गया है क्योंकि महंगाई राहत शिविरों और अन्य बहानों से प्रदेश के मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने इन दिनों मेवाड़ और वागड़ को अपना दूसरा घर बना दिया है। वे इन दिनों पूरे इलाक़े का सघन दौरा कर रहें हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने चाणक्य अमित शाह को गुजरात से सटे इन इलाक़ों की जिम्मेदारी दी है। अमित शाह का संसदीय निर्वाचन क्षेत्र गाँधी नगर उदयपुर से महज़ कुछ घंटों की दूरी पर है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी पी जोशी और अन्य रणनीतिकार अमित शाह की उदयपुर यात्रा के लिए शाह का आक्रामक भाषण तैयार करवा रहे है ताकि वे मोदी सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियों का बयान करने के साथ गहलोत सरकार के खिलाफ़ हमला बोल सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोधपुर में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह को और राजस्थान में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल को भी अहम जिम्मेदारी सौंपी है ताकि अमित शाह और उनकी संगठन सेना अशोक गहलोत और सचिन पायलट के मतभेदों का फ़ायदा उठाने के लिए कारगर रणनीति का लाभ उठा कर राजस्थान का क़िला फ़तह कर सके।

अमित शाह 30 जून को उदयपुर में- केन्द्रीय गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह की 30 जून शुक्रवार को मेवाड़ की धरा उदयपुर में आगमन और प्रातः दस बजे चैतक सर्किल के पास भण्डारी दर्शक मंडप गाँधी ग्राउण्ड में लोक सभा रैली और दोपहर ढाई बजे रूप सागर स्थित होटल हॉवर्ड जोंसन में जनजाति विशिष्ट जनसंवाद की तैयारियाँ अन्तिम चरण में है। पूरे उदयपुर नगर में स्वागत द्वार तथा होर्डिंग लगाए गए हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी इस अहम यात्रा की तैयारियों पर लगातार निगरानी कर रहे है। जोशी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरुवार को जे पी नड्डा की भरतपुर यात्रा में व्यस्त रहें लेकिन उन्होंने अपने नई दिल्ली जयपुर और चितौडगढ़ कार्यालयों के माध्यम से बीजेपी के उदयपुर जिला कार्यालय से निरन्तर सम्पर्क रखा तथा अमित शाह की यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। इधर उदयपुर सांसद अर्जुन

लाल मीणा और राजसमन्द सांसद दीया कुमारी तथा बाँसवाड़ा डूंगरपुर सांसद कनक मल कटारा के साथ ही बीजेपी उदयपुर जिला के पदाधिकारीगण केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा की तैयारियाँ करने में दिन भर जुटे रहें।

देश के गृह मंत्री की यात्रा के मद्दे नजर उदयपुर ज़िला और पुलिस प्रशासन ने भी अपनी क़ानून व्यवस्था से जुड़ी और अन्य आवश्यक तैयारियों को चाक चोबंद किया हैं।

इधर वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अग्रवाल समाज राजस्थान के अध्यक्ष, डूंगरपुर नगर परिषद् के पूर्व सभापति के. के. गुप्ता के निवास पर भी गांधी मैदान उदयपुर में आयोजित होने वाली विशाल सभा को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार प्रातः एक तैयारी बैठक आयोजित की गई।

गुप्ता ने बताया कि वैश्य समाज द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री की भव्य अगवानी और स्वागत यूआईटी सर्कल पर किया जाएगा। गुप्ता ने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे यूआईटी सर्कल के पास एकत्रित होकर एक विशाल जुलुस के रूप में गाँधी ग्राउंड मैदान में पहुँचें 7 बैठक में वैश्य समाज के गुप्ता के अलावा समाज के अग्रणी प्रकाश अग्रवाल, ओम अग्रवाल , नरेन्द्र अग्रवाल, अशोक जैन , विमल मंगल आदि उपस्थित रहें 7

उल्लेखनीय है कि अमित शाह की उदयपुर यात्रा को निकट भविष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेवाड़ और वागड़ की प्रस्तावित यात्राओं को देखते हुए जनाधार बनाने के लिए पार्टी संगठन को सक्रिय बनाने की दिशा में की जा रही पहल बताया जा रहा है। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह के उदयपुर में जनजाति विशिष्ट जन संवाद कार्यक्रम को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा हैं। राजनीतिक मान्यता गाई कि मेवाड़ और वागड़ को फतह करने वाली पार्टी राजस्थान में शासनारूढ़ होती है। वर्तमान में मेवाड़ पर भाजपा की पकड़ को मज़बूत बनाने के लिए और अधिक प्रयासों की ज़रूरत बताई जा रही है। इस इलाक़े में पार्टी के शीर्ष नेता गुलाब चन्द कटारियाँ अब असम के राज्यपाल है। इस कारण उनकी अपनी सीमाएँ हो गई है। उनके बाद चितौड़गढ़ के सांसद सी पी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बना आगे किया गया है लेकिन पिछलें उप चुनावों में राजसमन्द को छोड़ सभी सीटों पर हुई भाजपा की पराजय और मेवाड़ में कटारिया से अदावत के चलते भाजपा को छोड़कर अपना नया दल बना चुके रणधीर सिंह भींडर तथा जनजाति इलाक़ों में भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के युवाओं में फैलते प्रभाव के अलावा हनुमान बेनीवाल के भी मेवाड़ में ताल ठोकने से भाजपा की चुनौतियाँ बढ़ी है। इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मेवाड़ और वागड़ में धुआँधार प्रचार शुरू करने तथा बार बार दौरें करने तथा सलुंबर को नया ज़िला और बाँसवाड़ा को नया संभाग बनाने से भाजपा अभी बेकफूट पर है।फिर उदयपुर शहर सहित कई स्थानों पर उम्मीदवारों का चयन भी भाजपा के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है।

इन सभी परिस्थितियों में भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले अमित शाह का उदयपुर दौरा बहुत अहम माना जा रहा है। गुजरात के साथ मेवाड़ और वागड़ के निकट के सम्बन्धों और विगत नौ वर्षों में मोदी सरकार द्वारा इस इलाक़े को दी गई सौग़ातों को हर घर और सुदूर आदिवासी इलाक़ों में पहुँचाने की रणनीति बनाई जा रही है। देखना होगा कि भाजपा और कांग्रेस दौनों प्रमुख दलों में से इस बार गुजरात और मध्य प्रदेश से सटे मेवाड़ और वागड़ पर इस बार किस की विजय पताका फहरायेंगी?

इधर कांग्रेस भी राजस्थान की उन 70 सीटों पर जिताऊँ उम्मीदवारों की खोज में जुट गई है जिसमें वह पिछलें विधान सभा चुनावों में लगातार हारती रही है। कांग्रेस के संगठन मंत्री के सी वेणु गोपाल प्रदेश प्रभारी सूखजिंदर सिंह रंधावा और सह प्रभारियों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के साथ दिल्ली में इस पर व्यापक चर्चा कर रण नीति बनाने की तैयारियाँ शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल , हरसिंगार और कदंब के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ कुमारी कृतिका त्रिपाठी ने अपने जन्म दिवस पर बहन रितिका और पिता श्री दीपक त्रिपाठी के साथ पौधरोपण किया। श्री राजेश और श्रीमती रजनी कुनसरिया ने अपनी विवाह वर्षगांठ पर पौधे लगाए ,उनके परिजन साथ थे।

खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर अब मध्यप्रदेश में जुर्माना हुआ दुगना

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर लगने वाला जुर्माना अब दुगना कर दिया गया है। परिवहन विभाग ने मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 184 के तहत इस जुर्माने की राशि में इजाफा कर दिया है। प्रदेश में अब ट्रांसपोर्ट व्हीकल खतरनाक तरीके से चलाते पाए जाने पर तीन हजार रुपए की जगह छह हजार रुपए जुर्माना लगाया जाएगा वहीं नान ट्रांसपोर्ट व्हीकल खतरनाक तरीके से चलाए जाने पर लगने वाला जुर्माना एक हजार रुपए से बढ़ाकर दो हजार रुपए कर दिया गया है। परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा ने बताया कि केन्द्र सरकार ने मोटर यान अधिनियम के तहत कई तरह के जुर्माने और शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश में इनमें से खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर जुर्माना दुगना कर दिया गया है। आम तौर पर शराब

के नशे में वाहन चलाने वाले वाहन चालक खतरनाम तरीके से वाहन चलाते पाए जाते है। ऐसे में ऐसे वाहन चालकों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रहीं थी। अधिकांश दुर्घटनाओं में नशे में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों की लापरवाही ज्यादा सामने आती है। इसलिए इन पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए जुर्माने की राशि दुगनी कर दी गई है। पूरे मध्यप्रदेश में इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पूरे प्रदेश में यातायात नियंत्रण में लगी पुलिस को इस संबंध में निर्देशित कर दिया गया है। अब नशे में वाहन चलाते मिले तो दुगना जुर्माना वसूल किया जाएगा।

आईपीएस इरशाद वाली को पितृशोक

भोपाल। नर्मदापुरम में पदस्थ आईजी इरशाद वली (आईपीएस) के वालिद साहब मोहम्मद अब्दुल वली का आज इंतकाल हो गया द्य उनकी आयु 82 वर्ष थी उनका जनाज़ा की नमाज़ शाम 5:30 बजे सैफिया कॉलेज रोड क़ब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया जायेगा। विनम्र श्रद्धांजलि

समाजसेवी दिलीप सूर्यवंशी को मातृशोक

भोपाल। श्री सहस्त्रबाहु कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री दिलीप सूर्यवंशी जी की माताजी आदरणीय श्रीमती जानकी देवी सूर्यवंशी जी का देहान्त हो गया है, माता जी के श्री चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ओम शांति ओम

कृषि अवसंरचना निधि योजना तथा एमपी फार्म गेट एप पर कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड तथा एमपी फार्मगेट एप योजना अंतर्गत 28 जून 2023 को होटल रैडिसन ग्वालियर में एक दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड एवं एम.पी. फार्म गेट एप पर प्रतिभागियों की भागीदारी को बढ़ाना है।

कार्यशाला में श्रीमती जी.व्ही. रश्मि, प्रबंध संचालक, मंडी बोर्ड द्वारा अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश में एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड से सम्बंधित जानकारी दी साथ ही मंडी बोर्ड द्वारा प्रवर्त एमपी फार्मगेट एप की महती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कृषकों को उक्त एप पर उपज बेचने पर उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है की जानकारी दी गयी।

संभागायुक्त दीपक सिंह इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का अधिक से अधिक लाभ उठाने की बात कही। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों को विषयवस्तु की संक्षिप्त में जानकारी दी गई।

राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति प्रोफेसर अरविन्द कुमार शुक्ला द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि योजना का मध्यप्रदेश में व्यापक रूप से प्रसार हुआ है। जिसमे महिला उद्यमियों द्वारा उक्त योजना का व्यापक रूप से लाभ लेते वर्तमान तक लगभग हुए 2753 प्रोजेक्ट महिला उद्यमियों द्वारा स्थापित किये गए है। मध्यप्रदेश शासन के कृषि मंत्री कमल पटेल द्वारा अपने ऑनलाइन संदेश में कार्यशाला में शामिल हो रहे समस्त प्रतिभागियों को ए.आई.एफ. योजना तथा एमपी फार्म गेट एप के व्यापक रूप से उपयोग करने की बात कही।

आयोजित कार्यशाला में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों द्वारा जिसमें कृषि विभाग, नाबार्ड, उद्यानिकी, एपीडा, बैंक एवं अन्य संस्थाओं से आये हुए विशेषज्ञों द्वारा विषयवस्तु पर जानकारी दी गयी। प्रदेश में 5870 आवेदनों में 4448 करोड़ रुपये की राशि बैंको द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है जिससे म.प्र. देश में प्रथम स्थान पर हैं।

कार्यशाला में प्रश्न उत्तर सत्र में प्रबंध संचालक महोदया द्वारा सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों के प्रश्नों का सारगर्भित उत्तर देकर शंकाओं का समाधान किया गया तथा एम.पी. फार्मगेट एप के बारे में भी महिला कृषकों, कृषि उद्यमियों, व्यापारियों आदि को जानकारी प्रदान की गयी।

भूमिपूजन

भोपाल। शहर में नगर निगम महापौर मालती राय ने आज वार्ड 34 मुर्गी बाजार के जैन मंदिर प्रांगण मे पेवल ब्लॉक कार्य का भूमिपूजन किया इस अवसर पर पार्षद पप्पु विलास एवं मंदिर समिति के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

मेरा बूथ सबसे मजबूत के अंतर्गत घर-घर जनसंपर्क

भोपाल। गोगिंदपुरा विधानसभा भानपुर मंडल में प्रवासी बूथ विस्तारक श्री रोशन राज जी, भानपुर मंडल अध्यक्ष श्री नीलेश गौर जी, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी श्री बालिस्ता रावत जी, मंडल महामंत्री गण सुबोध साहू जी, श्री विमलेश कुमार जी के उपस्थिति में एवं वार्ड 73 के पार्षद श्री राजू राठौर जी के नेतृत्व में शिवनगर कालोनी, छत्रपति शिवाजी स्कूल एवं सूरज प्रीमियम स्कूल शक्ति केंद्र, वार्ड 72 के पार्षद जोन 16 के अध्यक्ष श्री विकास पटेल जी के नेतृत्व में लीलाधर कालोनी, न्यू जीनियस स्कूल एवं भानपुर शासकीय हाई स्कूल शक्ति केंद्र, वार्ड 74 की पार्षद श्रीमती शकुन सिंह लोधी जी तथा पूर्व विधायक प्रतिनिधि श्री राजू लोधी जी के नेतृत्व में सेमरा कैलाश नगर, हस्त शिल्प केंद्र एवं करारिया गोल्डन बर्डस पब्लिक स्कूल शक्ति केंद्र में घर-घर जनसंपर्क कर मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी का दुपट्टा, टोपी पहनाकर विश्व के लोकप्रिय, भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के 9-वर्ष के कार्यों की जानकारी वाली पंपलेट वितरण।

अमरनाथ भक्तों के लिए खुशखबरी! यात्रा को लेकर सुरक्षा में हुआ बड़ा बदलाव, कल रवाना होगा श्रद्धालुओं का पहला जत्था

भोले शंकर के परम भक्तों के स्वागत सत्कार के लिए जम्मू-कश्मीर पूर्ण रूप से तैयार है। दरअसल एक जुलाई से प्रारंभ होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक तक़रीबन 3 लाख तीर्थ यात्री अग्रिम रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। वहीं इसी के साथ भगवती नगर से कल श्रद्धालुओं का पहला जत्था पावन अमरनाथ गुफा के लिए रवानगी लेगा। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड और स्थानीय प्रबंधन ने बताया कि श्रद्धालुओं की सहूलियत को मद्देनजर रखते हुए तमाम प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके अतिरिक्त सुरक्षा के कई पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं।

अमरनाथ यात्रा इस बार एक जुलाई से शुरू होने जा रही है। इसके लिए कल मतलब 30 जून को जम्मू के भगवती नगर से पहला जत्था आधार शिविर बालटाल और पहलगाम के लिए रवानगी लेगा। दोनों आधार शिविरों से शनिवार को श्रद्धालु पवित्र गुफा की तरफ अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे।

वहीं जम्मू-कश्मीर के एंट्री गेट लखनपुर से लेकर कश्मीर तक मूलभूत ढांचे के साथ अन्य आवश्यक सहूलियत को निर्धारित किया गया है। इस वर्ष यात्रा में रिकार्ड तोड़ तीर्थ श्रद्धालुओं के शामिल होने की आशा जताई गई है। पिछले वर्ष 44 दिन की यात्रा में लगभग 20 दिन बेकार मौसम की भेंट चढ़े थे और यात्रा काफी प्रभावित हुई थी। इस बार सिक्युरिटी सिस्टम में एक बेहद आवश्यक फब डाल किया गया है। गुफा मंदिर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की जगह भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के कर्मियों की पोस्टिंग हुई है, जो माउंटेन वारफेयर में ट्रेंड होते हैं।

अमरनाथ यात्रा की सेफ्टी में पहली बार ITBP की नियुक्ति- वहीं आईटीबीपी और सीमा सुरक्षा बल तक़रीबन आधा दर्जन शिविरों की मेजबानी करेंगे, जो पहले देश की प्राइमरी आंतरिक सुरक्षा बल सीआरपीएफ द्वारा सकुशल होते थे। सीआरपीएफ अब भी गुफा मंदिर की सीढ़ियों के नीचे सीधे नियुक्त रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स ने पहले पीटीआई को बताया कि यह नई व्यवस्था 'उभरते सुरक्षा जोखिमों और चुनौतियों' को मद्देनजर रखते हुए और 'जम्मू-कश्मीर पुलिस की जरूरतों' के मुताबिक बनाई गई है। एक ऑफिसर के अनुसार

सीआरपीएफ के साथ-साथ अनेकों अन्य बलों को भी कार्य दिए गए हैं। क्योंकि सीआरपीएफ की कई कंपनियां मणिपुर में कानून और व्यवस्था की कंडीशन और पश्चिम बंगाल में पंचायत इलेक्शन के लिए भी काम कर रही हैं।

डॉग स्क्वाड के साथ हेलिकॉप्टर तैनात, एरियल सर्वे भी होगा- इसके अतिरिक्त, आईटीबीपी ने पिछले वर्ष अमरनाथ यात्रा के बीच अकस्मात आई बाढ़ के बाद भी निजात एवं सुरक्षा कार्य में आवश्यक भूमिका निभाई थी। ऑफिसर्स ने दावा किया कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आईटीबीपी एक पहाड़ी सेना है, जो नेचरल त्रासदियों के लिए प्रशिक्षित है। ऑफिसियल सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने किसी भी टेररिस्ट गतिविधियों का डटकर मुकाबला करने और आपदाओं पर तत्काल मुंहतोड़ जवाब देने के लिए इंटर-एजेंसी कोआर्डिनेशन और ड्रोन, डॉग स्क्वायड और एरियर सर्वे समूहों के इस्तेमाल पर भी बल दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ के डॉग स्क्वाड की एक टीम पहले ही पोस्ट कर दी गई है, ताकि उन्हें ऊंचाई और ठंडे मौसम के अनुरूप ढाला जा सके।

इस वार्षिक तीर्थयात्रा का समयांतराल 62 दिनों का होगा- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 27 जून को अमरनाथ यात्रा की व्यापक सिक्युरिटी समीक्षा की. नॉर्थ ब्लॉक में गठित मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने की, जिसमें सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बड़े अधिकारी और खुफिया विभाग, सेना के ऑफिसर्स मौजूद थे। साथ ही मीडिया सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासन तथा अमरनाथ श्राइन बोर्ड शामिल थे। इस वार्षिक तीर्थयात्रा की अवधि अबकी बार 62 दिनों की होगी, जो 1 जुलाई से प्रारम्भ होकर 31 अगस्त तक चलने वाली है। अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्री दो मार्गों- बालटाल और पहलगाम से दौरा करते हैं। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के ऑफिसर्स ने कहा कि पिछले वर्ष 3.45 लाख भक्तों ने गुफा मंदिर का दौरा किया था और इस बार यह आंकड़ा 5 लाख के पार भी जा सकता है।